राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26 | अंक–03 | सितम्बर, 2025 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल जी जोधपुर राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में भारत स्काउट व गाइड की परेड का निरीक्षण करते हुए।

कोटपूतली बहरोड़ में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी जी के साथ स्काउट गाइड रोवर रेंजर

शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार श्री मदन दिलावर जी के उदयपुर आगमन पर भारत स्काउट व गाइड द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन

चित्र-विथिका

भरतपुर में आयोजित 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर एवं जिला भरतपुर के समस्त पदाधिकारियों के साथ उपस्थित भारत स्काउट व गाइड का दल

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित राज्य कार्यकारिणी सभा में उपस्थित राज्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 03
सितम्बर, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

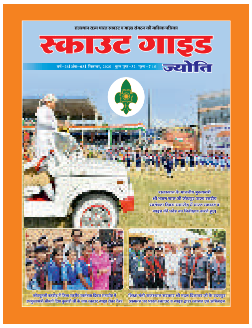

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
स्वाधीनता दिवस ध्वजारोहण	5
स्काउट आवासीय विद्यालय	5
राज्य कार्यकारिणी सभा	6
पर्यावरण मंत्रालय द्वारा इको क्लब निरीक्षण	7
एडवेंचर शिविर पुष्कर घाटी, अजमेर	9
पर्यावरणीय पर्यटन बढ़ाने में स्काउटिंग का योगदान	10
स्काउटिंग से विकास	11
विद्यार्थी जीवन और अनुशासन	12
हमारे महापुरुष : शरतचन्द्र	13
पर्यटन स्थल : परम्परा से बनी विरासत	14
दक्षता पदक	15
गतिविधि दर्पण	18
हमारा स्वास्थ्य : अनिद्रा	28
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

सही दिशा में बढ़ते कदम

स्काउट गाइड आन्दोलन की नींव को सुदृढ़ करने व इसे आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से सितम्बर का महिना अन्य महीनों की अपेक्षा विशेष महत्वपूर्ण है। इस महीने में हमारे कब–बुलबुल, स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर तथा स्काउटर्स–गाइडर्स उद्योग पर्व का आयोजन करके धनोपार्जन का प्रयत्न करते हैं। उद्योग पर्व का ध्येय बालक/बालिकाओं के मानस में अपने पैरों पर खड़े रहने की भावना के सुसंस्कार को विकसित करते हुए आन्दोलन को आर्थिक दृष्टि से सबल बनाना है। महात्मा गाँधी तो सम्पूर्ण शिक्षा को उद्योग केन्द्रित शिक्षा बनाना चाहते थे।

स्काउट गाइड संगठन में व्यावहारिक दृष्टि से यदि हम देखें तो हमें विदित होगा कि अर्थाभाव के कारण व्यक्ति एवं समाज की प्रगति होना बड़ा कठिन है। स्काउट गाइड आन्दोलन ने उद्योग पर्व का श्री गणेश आन्दोलन की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने एवं बालक/बालिकाओं को श्रम, स्वावलम्बन व सेवा का पाठ पढ़ाने की दृष्टि से किया।

सभी को परिश्रम करना चाहिए और पसीने की कमाई पर ही विश्वास करना चाहिए, यह बात सभी भली भाँति जानते हैं। परन्तु श्रम को आचरण में उतारने के लिए कोई व्यवहारिक कदम उठाते ही नहीं। यह जानते हुए भी कि अकर्मण्यता घृणा की वस्तु है, फिर भी उसे अपनाते जा रहे हैं।

हमारा उद्योग पर्व इस चुनौती का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने के लिये एक सक्षम कदम है। यह श्रम पर आधारित है। इस पर्व का मूल श्रम है जो सत्य है। जो भी पर्व सत्य की नींव पर खड़े होते हैं वे कभी मिट नहीं सकते। हमारा यह उद्योग पर्व भी अनेक झंझावात व तूफानों का मुकाबला कर हमारे आन्दोलन का अंग बन चुका है। यद्यपि प्रारंभिक दौर में इस सतकर्म को भी काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, परन्तु हमारे स्काउटर गाइडर के सतत प्रयास से आज यह पर्व केवल स्काउट्स गाइड्स का ही पर्व नहीं है, वरन् वह जनता का भी पर्व बन गया है। वास्तव में यह एक निर्विवाद सत्य है कि सच्चाई, ईमानदारी व लगन से किया हुआ काम जनता को आकर्षित कर लेता है।

अन्त में मैं राजस्थान के समस्त स्काउट गाइड कार्यकर्त्ताओं से निवेदन करना चाहूंगा कि इस पुनीत पर्व के सफल आयोजन हेतु योजनाबद्ध कार्य करें।

शुभकामनाओं के साथ........

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

माह अगस्त प्रदेश की गतिविधियों के लिए विविधता भरा रहा। स्थानीय संघ, जिला एवं मण्डल स्तर पर ही नहीं वरन् विद्यालय स्तर पर भी अनेक गतिविधियों और समारोहों का आयोजन पूरे माह चला। एक ओर जहाँ स्वाधीनता दिवस आयोजन तो दूसरी ओर प्रशिक्षण शिविरों को समर्पित रहा। हमारे अनेक स्काउटर एवं स्काउट्स गाइड्स को जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोहों में सम्मानित होने का मौका मिला, जिसके लिए संगठन की ओर से उन सभी को हार्दिक बधाई।

सितम्बर का महिना संगठन के संगठनात्मक ढांचे के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रदेश संगठन के लगभग सभी जिलों व स्थानीय संघों के वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हो चुके हैं। वार्षिक अधिवेशन संगठन के विकास और इसके कार्यों को प्रतिबिम्बित करने का एक सफल और सार्थक माध्यम माने जाते हैं। इस अवसर पर प्रत्येक स्तर पर किये गये कार्यों, सहभागिता और उनके परिणामों पर व्यापक विचार विमर्श होकर आगामी वर्ष के लिए लक्ष्य और उपलब्धियों का निर्धारण किया जाता है तथा उनके सफल आयोजन और क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना का निर्धारण होता है।

इसी माह 25 तारीख को राज्य परिषद् का 75वां वार्षिक अधिवेशन बीकानेर में आयोजित होने जा रहा है। पिछले 74 वर्षों से राज्य संगठन के अधिवेशन अनवरत और सकारात्मक सोच के साथ आयोजित होते आ रहे हैं। इतने वर्षों तक किसी संगठन द्वारा बिना किसी मनमुटाव एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से अपनी गति को बनाये रखना वास्तव में काबिले तारीफ है। 112 वर्ष पूर्व भारत में इस संगठन ने अपना कदम रखा और आज यह एक विराट वट वृक्ष की भांति आप सभी के समक्ष हरा–भरा और प्रफुल्लित मुद्रा में खड़ा है।

सभी को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

स्वाधीनता दिवस ध्वजारोहण

स्काउट मुख्यालय, जयपुर

भारत की आजादी की 78वीं वर्षगांठ के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर स्थित राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यालय प्रांगण में प्रदेश के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य द्वारा प्रातः 8.30 बजे झंडारोहण किया गया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित मुख्यालय के सभी अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री आर्य ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव रखते हुए इसके विकास में सदैव अपना योगदान देने के लिए प्रेरणास्प्रद उद्‌बोधन दिया गया। श्री आर्य ने देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले ज्ञात व अज्ञात सभी अमर बलिदानी क्रान्तिकारियों व जननायकों को याद करते हुए देश को आजाद कराने में अपनी आहूति देने के लिए आभार व्यक्त किया।

स्काउट आवासीय विद्यालय

राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को देश में एकता व अखण्डता बनाए रखने के लिए देश–प्रेम की भावना रखते हुए देश के विकास में सहायक बनने हेतु प्रेरणास्प्रद उद्‌बोधन दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने परेड निकाल कर सलामी दी तथा पिरामिड बनाकर अपने शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया।

श्री आर्य ने उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पुरस्कृत कर उनका व सभी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्ना लाल, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुयश लोढ़ा व स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

राज्य कार्यकारिणी सभा

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा दिनांक 11 अगस्त, 2025 को सांयः 3:00 बजे स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री् निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में श्री स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) महेन्द्र पारख, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) श्री आर. पी.सिंह, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट ट्रेजरार श्री ललित वर्मा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ सहित 22 सदस्य उपस्थित रहे।

प्रार्थना के उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी.सी.जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत किया गया तथा गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग कार्यवृत सभा में प्रस्तुत किया गया, जिसकी सदन द्वारा पुष्टि की गई।

गत मीटिंग के कार्यवृत की बिन्दुवार अनुपालना रिपोर्ट तथा संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसका सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।

वित्त समिति की अनुशंसाओं को राज्य कोषाध्यक्ष श्री ललित वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अनुशंसानुसार शिविरों के दौरान रसोई कार्य करने पर (शिविर अवधि में) सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को हार्ड ड्यूटी भत्ता राशि व संस्था के कार्मिकों, वयस्क लीडर, बॉय/गर्ल, स्काउट/गाइड एवं रोवर/रेंजर के स्थानीय वाहन भत्ते में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

अलंकार–पुरस्कार समिति द्वारा चयनित अलंकार–पुरस्कारों की सूची राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल द्वारा प्रस्तुत की गई। सदन द्वारा 13 को धन्यवाद बैज, 2 को बार टू मेडल ऑफ मेरिट, डॉ. सुषमा सिंघवी, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) तथा सुश्री दया मेघानी, लीडर ट्रेनर (गाइड) सहित 10 को मेडल ऑफ मेरिट, 7 को 20 वर्षीय अलंकार, 19 को 15 वर्षीय अलंकार, 51 को 10 वर्षीय अलंकार तथा 2 को स्थानीय संघ सम्मान पत्र प्रदान किए जाने की अनुशंसा सहित स्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य यूथ कमेटी की अनुशंसाओं पर विचार करते हुए न्यूज चैनल प्रारम्भ किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य परिषद का वार्षिक अधिवेशन दिनांक 25.9.2025 को अजमेर के स्थान पर बीकानेर में आयोजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्ना लाल द्वारा वीजन–2034 के ड्राफ्ट के मुख्य–मुख्य बिन्दु सदन के समक्ष प्रस्तुत किए गए। वीजन–2034 की समीक्षा करने के संबंध में श्री महेन्द्र पारख, डॉ. अखिल शुक्ला तथा श्री ललित वर्मा की समिति का गठन किए जाने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा ग्रुप विजिट का कार्य एक अभियान के रूप में किए जाने, ग्रामीण रोवर/रेंजर गतिविधियों को बढ़ावा देने, एजेन्सी के माध्यम से लम्बी अवधि से कार्यरत कार्मिकों को राज्य मुख्यालय बजट पर नियमित किए जाने के संबंध में सम्पूर्ण परीक्षण करने, बेसिक कोर्स आयोजित करने, गाँधी जयन्ति पर विशेष कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित करने जिसमें स्काउट गाइड संगठन की संख्यात्मक वृद्धि दृष्टिगोचर हो सके, राज्य मुख्यालय पदाधिकारियों द्वारा जिला मुख्यालय कार्यालयों के औचक निरीक्षण करने, स्थानीय संघ स्तर शिविरों के नियन्त्रण व निरीक्षण के लिए सहायक जिला कमिश्नर्स को नियुक्त करने, नीजि महाविद्यालयों/विद्यालयों में पंजीकरण अभियान चलाकर स्काउट गाइड गतिविधियाँ प्रारम्भ करने, राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) पद पर पदोन्नति हेतु निम्न पद पर कार्यानुभव में शिथिलता प्रदान करने, भारत स्काउट गाइड संगठन व हिन्दुस्तान स्काउट गाइड संगठन की प्रतिस्पर्धा की भ्रांति को दूर करने के लिए संगठन द्वारा व्यापक प्रचार–प्रसार करने, आगामी बैठकों के लिए ई–संचार के माध्यमों का उपयोग करते हुए समस्त एजेण्डा, उपलब्धि आदि ई–मेल, वाट्सएप के माध्यम से भिजवाई जाने के सुझाव प्राप्त हुए।

स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने अपने उद्‌बोधन में सदन में प्राप्त सभी सुझावों के लिए सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित कर गत वर्ष में प्राप्त उपब्धियों के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने भविष्य में भी राजस्थान प्रदेश संगठन के उत्तरोतर प्रगति की कामना की।

अन्त में आभार एवं राष्ट्रगान के साथ मीटिंग की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा इको क्लब निरीक्षण

कृष्णा सैनी
सी.ओ. गाइड, जयपुर

23 जुलाई 2025 को पर्यावरण शिक्षा प्रभाग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली से पधारे नीति वर्मा कंसलटेंट बी एवं संजीत कुमार कंसलटेंट ए द्वारा जिला जयपुर में चल रहे 250 इको क्लब में से दो एक क्लब का निरीक्षण किया गया। जिला मुख्यालय जयपुर से सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा ने बताया कि जिला जयपुर में संचालित इको क्लब में से सर्वप्रथम एमकेबी विद्यालय एवं उसके बाद यूनिवर्स पब्लिक स्कूल मीनावाला का निरीक्षण करवाया गया। निरीक्षण के दौरान राज्य मुख्यालय के राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, एनजीसी गतिविधि प्रभारी सी.ओ. स्काउट एल.आर. शर्मा व सी.ओ. गाइड कृष्णा सैनी द्वारा निरीक्षण किया गया ।

मंडल जयपुर की ओर से सहायक राज्य संगठन आयुक्त दामोदर प्रसाद शर्मा व सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा द्वारा गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। एमकेबी विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती ज्योति राठौड़, सी. ओ. गाइड श्रीमती इंदू तंवर एवं गाइड कैप्टन सम्पत्त सैन द्वारा एमकेबी विद्यालय में समस्त पूर्व व्यवस्थाएं देखी गई। सी.ओ. स्काउट शरद शर्मा ने बताया कि एनवायरमेंट एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत जारी गतिविधियों में इको क्लब की सहभागिता हेतु निरीक्षण समस्त अधिकारियों द्वारा किया गया है। यूनिवर्स पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अनूप सिंह शेखावत व प्रधानाचार्य राखी निर्वाण, स्थानीय संघ सचिव नवदत्त सिंह द्वारा निरीक्षण में विशेष सहयोग प्रदान किया गया। स्काउट गतिविधि प्रभारी सुभाष चंद्र टेलर व गाइड कैप्टन सुशीला पंघाल द्वारा विद्यालय में आयोजित समस्त गतिविधियों की प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया गया। नेशनल ग्रीन कोर के अंतर्गत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विद्यार्थियों द्वारा की आयोजित गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट देखी गई।

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की टीम ने किया रींगस के उत्कृष्ट इको क्लब्स का अवलोकन

विजिट के द्वितीय दिवस 24 जुलाई को प्रतिनिधियों ने भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रींगस परिक्षेत्र की राजकीय और निजी स्कूलों में संचालित इको क्लब्स का एनवायरमेंट एजुकेशन प्रोग्राम के तहत अवलोकन किया गया। स्थानीय संघ के सचिव विष्णु कुमार जोशी ने बताया कि पर्यावरण शिक्षा प्रभाग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली से आए हुए दल द्वारा संघ के 3 उत्कृष्ट इको क्लब राउमावि सरगोठ, भारतीय उमावि रींगस और वेदांता कॉलेज रींगस का अवलोकन किया गया। इस दल का नेतृत्व वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली से आए संजीत कुमार और नीति वर्मा, स्टेट कॉर्डिनेटर जयपुर से एल आर शर्मा व कृष्णा सैनी, जिला मुख्यालय सीकर से सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने किया। राउमावि सरगोठ में इको क्लब प्रभारी शंकरलाल रैगर और प्रधानाचार्य रक्षा चौधरी ने, वेदांता कॉलेज रींगस में इको क्लब प्रभारी डॉ. ज्योति राजावत और प्राचार्य डॉ . शुभा शर्मा ने तथा भारतीय उमावि रींगस में इको क्लब प्रभारी विद्याधर योगी और प्रधानाचार्य दिलीप कुमार स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाई जा रही समस्त गतिविधियों की जानकारी दी। इन गतिविधियों में वृक्षारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन, जल संरक्षण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण से बचाव के उपाय, ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण हेतु चलाए जा रहे जन जागृति अभियानों के बारे में जानकारी व दस्तावेजों का अवलोकन किया और विद्यालय में बालकों द्वारा चलाई जा रही सभी गतिविधियों का अवलोकन किया।

दल ने बच्चों से संवाद भी किया और उनकी जिज्ञासाओं को शांत करने हेतु किए गए सवालों का जवाब भी दिया। संपूर्ण

दल ने स्थानीय संघ की पर्यावरण चेतना कार्यक्रमों पर संतोष व्यक्त किया। अंत में टीम प्रभारी ने बताया कि इसी सत्र में स्थानीय संघ की समस्त स्कूलों में चलने वाले इको क्लब के दस्तावेजों और उनकी गतिविधियों के अवलोकन का विस्तृत कार्यक्रम बनाकर शीघ्र ही संबल प्रदान किया जाएगा। अतिथियों ने भारतीय स्कूल में दो अशोक के पेड़ लगा कर इको क्लब सदस्यों को सार संभाल हेतु गोद भी दिए और समय समय पर रिपोर्ट भेजने हेतु पाबंद किया।

इस अवसर पर सुभाष देवंदा, सुशीला कुमारी, किरण, ममता यादव, राजेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र कुमावत, जगबीर सिंह गुर्जर, सुरेश कुमार गुजराल, सुभाष यादव, बंटी, डॉ. योगेंद्र कुमार गौतम तथा तीनों विद्यालयों के स्टाफ और बालक बालिकाएं उपस्थित थे।

पर्यावरण शिक्षण आवश्यकता पर जोर देते हुए इको क्लब गतिविधियों का किया निरीक्षण

तृतीय दिवस 25 जुलाई को पर्यावरण शिक्षा प्रभाग पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की टीम द्वारा जिला सवाईमाधोपुर में संचालित 253 इको क्लब में से चयनित क्लब का निरीक्षण किया गया। सी.ओ. गाइड दिव्या के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आलनपुर, शेलोम इंग्लिश मीडियम स्कूल सवाई माधोपुर तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शेरपुर खिलचीपुर में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत इको क्लब के माध्यम से संचालित नेचर कैंप, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक नियंत्रण, स्वच्छता कार्यक्रम, पौधारोपण कर निरीक्षण किया गया।

नीति वर्मा ने स्काउट गाइड इको क्लब सदस्यों से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही है गतिविधियों की प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जानकारी ली। राष्ट्रीय अभ्यारण रणथंभोर में स्वच्छता कार्यों को इको क्लब सदस्यों से कराए जाने की बात कही। राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत ने कहा कि बालक बालिकाओं के माध्यम से पर्यावरण शिक्षण, प्रदूषण निवारण की गतिविधियो से जनसाधारण को जागरूक करना आवश्यक है।

संजीत कुमार ने पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत इको क्लब के कार्यक्रमों की स्थिति की जानकारी ली। स्थानीय संघ सचिव महेश सेजवाल, रामजी लाल योगी, ट्रेनिंग काउंसलर दिनेश सिंहल, महावीर जैन, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आलनपुर प्रधानाचार्य राजीव श्रीमाल, इको क्लब प्रभारी मीना शर्मा, शेलोम इंग्लिश स्कूल निदेशक आर.के. पांडे, श्याम सिंह राजावत, कशिश राणा, मोनिका यादव, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शेरपुर खिलचीपुर सहायक कमिश्नर हनुमान प्रसाद मीणा, इंदिरा मीणा, सहा .लीडर ट्रेनर जुगराज बेरवा, लक्ष्मी मीणा ने विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर द्वारा बैंड एवं गार्ड आफ ऑनर से अभिनंदन किया गया।

एडवेंचर शिविर पुष्कर घाटी, अजमेर

विनोद मेहरा
लीडर ट्रेनर, ब्यावर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वाधान में राज्य स्तरीय 15 वें एडवेंचर शिविर का आयोजन दिनांक 02 से 06 अगस्त 2025 तक पुष्कर घाटी, अजमेर में किया गया। शिविर में अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जयपुर, व सीकर जिलों का प्रतिनिधित्व रहा। ये एडवेंचर शिविर था तो राज्य स्तर का परन्तु इस शिविर में महाराष्ट्र के 03 तथा आंध्र प्रदेश के 02 सम्भागी भी सहभागिता करके बहुत ही गौरवान्वित हो रहे थे। शिविर में कुल 163 सम्भागी थे जिसमें 129 रोवर्स एवम स्काउट्स, 34 रेंजरस एवम गाइड्स। शिविर का प्रारम्भ सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) मण्डल मुख्यालय अजमेर श्री विनोद दत्त जोशी ने किया।

प्रथम दिवस पर सम्भागियों ने पुष्कर घाटी पर स्थित महाराणा प्रताप स्मारक तक पैदल भ्रमण किया।

शिविर के दूसरे दिन सम्भागियों ने प्रातः जल्दी उठकर ट्रेकिंग जंगल सफारी पुष्कर की नाग पहाड़ियों की साहसिक पैदल यात्रा का आनन्द लिया। दूसरे दिन ही दोपहर भोजन के पश्चात साहसिक गतिविधियों में टायर चिमनी वॉल, टायर वॉल, मंकी ब्रिज, बौरी दौड़, जिग जेग, टायर टनल, कमाण्डो क्रॉसिंग, बेलेसिंग बीम, लेडर क्रॉसिंग, शेर के मुँह में गेन्द, तिलक लगाना, चम्मच दौड़, डिब्बे गिराना, जाकर वाकिंग, जंपिंग फुट, रिंग फसाना आदि साहसिक गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लिया रात्रि में कैम्प फायर का आयोजन किया गया।

शिविर के तीसरे दिन रॉक क्लाइम्बिंग, रेपलिंग तथा हिस्टोरिकल एन्ड होली विजिट के तहत पुष्कर में ब्रम्हा मंदिर, रंग जी का मन्दिर, पुष्कर के घाट, सावित्री माता मंदिर दर्शन रोप वे के माध्यम से करवाया गया। अधिकांश सम्भागियों ने रोप वे से पहली बार यात्रा की।

चतुर्थ दिवस प्रातः से ही शेष साहसिक गतिविधियों यथा आर्चरी, गन पॉइंट, हेगिंग टायर, मल्ल खम्ब, मंकी क्राउलिंग, कमाण्डो हार्ड क्रॉसिंग, टच द पॉइंट, होरिजेंटल बार, कमाण्डो ट्रेनिंग, जिप लाइन, हॉर्स राइडिंग, कैमल सफारी में सभी ने उल्लास पूर्वक भाग लिया। चतुर्थ दिवस पर ही समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल अजमेर के प्रधानाचार्य श्री संजय दत्ता, विशिष्ट अतिथि जिला सचिव अजमेर श्री सत्यनारायण वैष्णव, ब्लाक जिला शिक्षा अधिकारी पीसांगन (अजमेर) श्रीमती वीणा अग्रावत सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) अजमेर श्री विनोद दत्त जोशी रहे। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विशाल कैम्प फायर के रूप में किया। शिविर में अन्य अतिथियों में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल चाचियावास अजमेर के प्रधानाचार्य श्री राजीव कुमार मिश्रा ने अपने स्टाफ के साथियों सहित विजिट किया। रेंजर लीडर विनीता सांखला, नंदिनी डाबले व अन्य सम्भागियों के अविभावकों ने साहसिक गतिविधियों को देखा।

अन्तिम दिवस पर रेत के धोरों से होते हुए एडवेंचर डेजर्ट हाइक बूढ़ा पुष्कर रखी गई जिसमें सभी सम्भागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

पाँच दिवसीय शिविर के संचालक का कार्य रघुवीर सिंह खंगारोत लीडर ट्रेनर (स्काउट) टोंक ने किया सहायक संचालक के रूप में विनोद कुमार मेहरा लीडर ट्रेनर (स्काउट) ब्यावर, नरेन्द्र कुमार खोरवाल सी. ओ.(स्काउट) अजमेर, बाबूदीन काठात सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) ब्यावर, कालूराम सचिव स्थानीय संघ सावर (केकड़ी), भगवान सिंह स्काउटर राजकीय महात्मा गाँधी वि. गोविन्दगढ़ (पीसांगन), रामकिशोर सालोदिया स्काउटर देलवाड़ा (ब्यावर), रेणु सेन रा.उ.मा.वि.जवाजा, मुन्शी खान मण्डल मुख्यालय अजमेर ने अपनी सेवाएं दी। समस्त साहसिक गतिविधियों को तैयार करवाने व संचालन में दक्ष प्रशिक्षक विकम सिंह जयपुर, धीरज सोनी केकड़ी, दिलखुश माली केकड़ी, मनीष नाथ किशनगढ़, राहुल गोदारा किशनगढ़, व प्रवीण कुमार किशनगढ़ का सहयोग सराहनीय रहा।

पर्यावरणीय पर्यटन बढ़ाने में स्काउटिंग का योगदान

प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से सम्पन्न राजस्थान पर्यटन के लिए सबसे अच्छा राज्य माना जाता है। चमकती चांदी, सुनहरी रेत, बहुरंगी कपड़ों, जोशीले गीतों, जिंदादिल नृत्यों, ऊँट की राजसी सवारी, प्राचीन लोक परंपराओं और समृद्ध हस्तशिल्पों से राजस्थान की वैश्विक पहचान है। राजस्थान देशीय और अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक उचित पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है क्योंकि यह भारत आने वाले पर्यटकों के लिए 'गोल्डन ट्रायंगल' का हिस्सा है। इन सब में सबसे महत्वपूर्ण घटक है यहाँ के पर्यावरण की विविधता। एक ओर अरावली पर्वत श्रृंखला तो दूसरी ओर रेगिस्तान की सुनहरी रेत सैलानियों को आकर्षित करती है। राजस्थान में वन्य जीवों एवं पर्यावरणीय विविधताओं से युक्त अनेक संरक्षित क्षेत्र है।

पर्यावरणीय पर्यटन क्या है?

पर्यावरणीय पर्यटन, प्रकृति यात्रा और मनोरंजन वाक्यांश से अधिक मायने रखता है। पर्यावरणीय पर्यटन दुनिया के प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण की विविधता और संरक्षण को बनाए रखने के लिए उचित है। यह आगंतुकों को ग्रहण करने और उनको मनोरंजन प्रदान करने का एक तरीका है जिसमें पर्यावरण में न्यूनतम दखल होता है, जिससे यह दोनों यात्रियों और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी को सम्हालते हुए काम करता है, जो पर्यावरणीय पर्यटन का वास्तविक अर्थ है।

राजस्थान के पर्यावरणीय पर्यटन स्थल

प्रदेश में स्थित 3 राष्ट्रीय उद्यान रणथम्भौर, केवलादेव और मुकन्दरा हिल्स पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं। प्रदेश में 25 अभयारण्य और 4 कन्जरवेशन रिजर्व हैं, ये सभी अपने विशिष्ट वन्य जीवों और सघन पर्यावरण के कारण पर्यावरणीय पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। राजस्थान का माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य प्राकृतिक सुंदरता के साथ–साथ पक्षियों से गुलजार रहता है। माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के माउंट आबू की पर्वतमालाओं के बीच स्थित है। ईको टूरिज्म होने के कारण यह अभयारण्य प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आकर्षण है। विख्यात पक्षी अभयारण्य केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में हजारों की संख्या में दुर्लभ और विलुप्त जाति के पक्षी पाए जाते हैं, जैसे साईबेरिया से आये सारस, जो यहाँ सर्दियों के मौसम में आते हैं। कहते हैं कि ये स्थान करीब 230 प्रजाति के पक्षियों का घर है। सालों से भारत का एक बहुत बड़ा पर्यटन स्थल और केन्द्र बन चुका है। इसको 1971 में संरक्षित पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया था। इसके बाद वर्ष 1985 में इसे यूनेस्को की विश्व विरासत भी घोषित कर दिया गया।

ऐसे पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुन्दरता बनी रहे, इसके लिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि इन स्थलों का पर्यावरण हर हाल में संरक्षित रहे।

स्काउट संगठन का योगदान

पर्यावरणीय पर्यटन, स्थानीय संस्कृति, जंगल रोमांच, स्वयं सेवा, व्यक्तिगत विकास के नए तरीके सीखने पर केंद्रित है। यह आम तौर पर उन स्थलों जहाँ वनस्पति, जीव और सांस्कृतिक विरासत प्राथमिक आकर्षण हैं, की यात्रा के लिए परिभाषित किया गया है। जिम्मेदार संगठन यथा स्काउट गाइड संगठन पर्यावरण के संरक्षण के प्रति और पर्यावरणीय पर्यटन से स्थानीय विकास के बारे में प्रयत्नशील हैं। ऐसे स्थलों पर फैली खाली बोतलें, टिन, प्लास्टिक बैग आदि कूड़ा जो आसपास के वातावरण में गंदगी फैला सकता है, की सफाई में स्काउट गाइड अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। पवित्र स्थलों, मंदिरों और स्थानीय संस्कृति की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए जन–जागृति अभियान चलाते हैं। जनचेतना जागृत कर ऐसे स्थलों पर जलती हुई आग या सिगरेट को जंगलों में खुला न छोड़ने, वर्जित पेय, शराब, ड्रग्स या किसी अन्य मादक पदार्थ का उपभोग नहीं न करने और खाली बोतलों को जंगल में खुले में न फैंकने के लिए रैलियों का आयोजन करते हैं। प्रशासन के साथ ऐसे स्थलों पर सेवा शिविर आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता संबंधी कार्य करते हैं।

स्काउट संगठन के सदस्य वर्ष पर्यन्त ऐसे स्थलों की हाईक और जागरूकता रैली का आयोजन कर स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और पर्यटकों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति चेतना जागृत कर इन स्थलों पर श्रमदान कर स्वच्छता की अलख जगाते हैं और यहाँ फैली प्लास्टिक थैलियों, खाली बोतलों, खरपतवार तथा अन्य कचरा एकत्र करते हैं। राजस्थान में आबूपर्वत, पाली, सीकर स्थित हर्ष पर्वत, बेणेश्वर धाम, रेगिस्तान आदि स्थलों पर स्काउट गाइड ने पर्यावरण संरक्षण के कार्यों कर एक अलग पहचान कायम की है। निश्चित रूप से स्काउट गाइड संगठन का पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में सदैव से योगदान रहा है, जो अप्रत्यक्ष रूप से पर्यावरणीय पर्यटन में सहायक है।

स्काउटिंग से विकास

मानव जीवन विकास में पांच अवस्थाओं का महत्वपूर्ण स्थान है बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था। इन सबमें अधिक परिवर्तनशील एवं आधार बालक के लिए किशोरावस्था है इसी अवस्था में सीखा हुआ ज्ञान परिवार, समाज और देश की उन्नति के लिए दिशा सुझाता है। किशोरावस्था 12 वर्ष से 18 वर्ष तक रहती और इस उम्र में बालक विद्यालय शिक्षा प्राप्त करता है इस उम्र में अलग–अलग विषय एवं क्रिया–कलापों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से बालक का अपने गुरू से सम्पर्क होता है जिसमें स्काउट/गाइड भी विद्यालय की एक गतिविधि है, जिसके माध्यम से बालक अनुशासित बनकर देश की सच्चे भाव से सेवा करता है। स्काउट/गाइड सदस्य के रूप में बालक का पंजीकरण 10 वर्ष बाद में शुरू हो जाता है जो बालक की मूल अवस्था है।

यह अवस्था वृक्ष की कच्ची टहनी क समान होती है जिसको जिधर मोड़ोगे उधर मुड़ जाएगी और उचित समय पर अच्छी सम्भाल नहीं करेंगे तो टहनी का विकास अवरूद्ध हो जाएगा। अतः स्काउट/गाइड आन्दोलन भी यही शिक्षा प्रदान करता है कि उचित समय पर बालक की विभिन्न स्थितियों में विशेष ध्यान रखना अत्यावश्यक है।

1. परिवार –

बालक की बुद्धिलब्धि को देखते हुए अभिभावक को चाहिए कि वह बालक की विशेष रूप से सम्भाल करे। बालक जिस वस्तु की मांग करता है वह उसको कितनी आवश्यक है?उसकी परख करनी चाहिए। यदि बालक की प्रगति में उसका सही उपयोग हो रहा है, तो उसके लिए आवश्यक सामग्री प्राथमिकता खरीदकर लानी चाहिए जिससे बालक का मनोबल भी नया सीखने के लिए बढ़ेगा तथा मन में हीन भावना भी नहीं आएगी। इसी के साथ इस भागम–भाग के समय में बाल की आवश्यकतानुसार अभिभावक को चाहिए कि समय एवं लाड़–प्यार भी देना चाहिए अन्यथा बालक कुण्ठित एवं बेपरवाह हो जाएगा।

2. आस–पड़ौस –

अभिभावक को देखना होगा कि अपने आस–पास का वातावरण कैसा है? उसी के अनुसार बालक की देख–भाल करनी चाहिए। यदि आस–पड़ौस अच्छा है तब तो चिन्ता की बात नहीं है लेकिन आस–पड़ौस का वातावरण दूषित है, तो उसकी दुर्गन्ध आपके बालक को भी दूषित कर सकती है। अतः बालक के क्रिया–कलापों पर पूरी नजर रखनी चाहिए तभी बालक सही दिशा में बढ़ सकेगा।

3. मित्र–मण्डली –

किशेरावस्था में बालक धीरे–धीरे मित्र बनाना एवं बनना शुरू कर देता है। अधिक समय मित्रों के साथ बिताना भी चाहता है। ऐसे समय में अभिभावक को बालक के व्यवहार, आदतों और क्रिया–कलापों पर विशेष नजर रखें कि बालक में कोई गलत बदलाव तो नहीं आ रहा तथा जिन मित्रों के साथ रहता है कहीं उनकी आदतें खराब तो नहीं हैं? यह सब अभिभावक को समय–समय पर पता लगाते रहना चाहिए। अन्यथा बालक अपने हाथकं से गलत दिशा में जा सकता है।

4. विद्यालय –

किशोरावस्था में बालक का मानसिक विकास भी तीव्र गति से होता है जिसके लिए समय–समय पर अभिभावक विद्यालय जाकर संस्था–प्रधान, कक्षाध्यापक एवं विषयाध्यापक से बालक की प्रगति सूचना का पता लगाये तथा विद्यालय से मिले दिशा–निर्देशों के अनुसार बालक का ध्यान रखने का पूरा प्रयास किया जाये। ताकि बालक अच्छा विद्यार्थी बन कर देश की सच्ची सेवा कर सके।

5. शारीरिक विकास –

किशोरावस्था में बालक का शारीरिक विकास भी तीव्र गति से होता है जिसके लिए अभिभावक बालक के खान–पान की पूरी व्यवस्था करे। अभिभावक को चाहिए कि इस अवस्था में बालक को सन्तुलित भोजन दें ताकि शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक विकास भी अच्छा हो सकेगा। इसलिए कहा गया है कि– ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।''

6. पुरस्कार एवं दण्ड –

अभिभावक समय–समय पर उचित–अनुचित की परख कर पुरस्कार एवं दण्ड भी बालक को दें। पर ध्यान रहे कि इसके द्वारा बालक को किसी प्रकार की हानि नहीं हो। इसीलिए कहा गया है – ''वीणा के तारों को इतना भी मत खींचो की टूट ही जाएं, और इतना ढ़ीला भी मत छोड़ो कि बजे ही नहीं।''

इस प्रकार किशोरावस्था में स्काउट/गाइड के माध्यम से विकास मजबूत होता है।

श्रीमती निर्मला देवी
गाइडर,
नीमकाथाना, सीकर

विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

विद्यार्थी को चाहिए कि विद्यालय में रहकर विद्यालय के बनाए सभी नियमों का पालन करे। अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी पाठों को अध्ययन पूरे मन से करना चाहिए क्योंकि विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम-कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। यदि विद्यर्थियों में अनुशासन नहीं होगा तो समाज की दशा बिगड़ेगी और यदि समाज की दशा बिगड़ेगी तो देश कैसे उससे अछुता रहेगा।

समाज की सहायता के बिना मानव जीवन का अस्तित्व असम्भव है। सामाजिक जीवन को सुख संपन्न बनाने के लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। इन नियमों को हम सामाजिक जीवन के नियम कहते हैं। इनके अंतर्गत मनुष्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से नियमित रहता है तो उसके जीवन को अनुशासित जीवन कहते हैं। हमारे जीवन मे 'अनुशासन' एक ऐसा गुण है, जिसकी आवश्यकता मानव जीवन में पग–पग पर पड़ती है। अनुशासन ही मनुष्य को एक अच्छा व्यक्ति व एक आदर्श नागरिक बनाता है।

'अनुशासन सफलता की कुंजी है'– यह किसी ने सही कहा है। अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है। यदि मनुष्य अनुशासन में जीवन–यापन करता है, तो वह स्वयं के लिए सुखद और उज्जवल भविष्य की राह निर्धारित करता है। अनुशासन मानव–जीवन का आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह खेल का मैदान हो अथवा विद्यालय, घर हो अथवा घर से बाहर कोई सभा–सोसायटी, सभी जगह अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है।

परिवार अनुशासन की आरंभिक पाठशाला है। अनुशासन का पाठ बचपन से परिवार में रहकर सीखा जाता है। बचपन के समय में अनुशासन सिखाने की जिम्मेदारी माता–पिता तथा गुरूओं की होती है। एक सुशिक्षित और शुद्ध आचरण वाले परिवार का बालक स्वयं ही नेक चाल–चलन और अच्छे आचरण वाला बन जाता है। माता–पिता की आज्ञा का पालन उसे अनुशासन का प्रथम पाठ पढ़ाता है। परिवार के उपरांत अनुशासित जीवन की शिक्षा देने वाला दूसरा स्थान विद्यालय है। शुद्ध आचरण वाले सुयोग्य गुरुओं के शिष्य अनुशासित आचरण वाले होते हैं। ऐसे विद्यालय में बालक के शरीर, आत्मा और मस्तिष्क का संतुलित रूप से विकास होता है।

विद्यार्थी समाज की एक नव–मुखरित कली है। इन कलियों के अंदर यदि किसी कारणवश कमी आ जाती है तो कलियाँ मुरझा ही जाती हैं, साथ–साथ उपवन की छटा भी समाप्त हो जाती है। यदि किसी देश का विद्यार्थी अनुशासनहीनता का शिकार बनकर अशुद्ध आचरण करने वाला बन जाता है तो यह समाज किसी न किसी दिन आभाहीन हो जाता है। विद्यार्थी देश का मुख्य आधार स्तंभ है। यदि इनमें अनुशासन की कमी होगी, तो हम सोच सकते हैं कि देश का भविष्य कैसा होगा। विद्यार्थी के लिए अनुशासन में रहना और अपने सभी कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना बहुत आवश्यक है।

विद्यार्थी को चाहिए कि विद्यालय में रहकर विद्यालय के बनाए सभी नियमों का पालन करे। अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी पाठों को अध्ययन पूरे मन से करना चाहिए क्योंकि विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम–कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। यदि विद्यर्थियों में अनुशासन नहीं होगा तो समाज की दशा बिगड़ेगी और यदि समाज की दशा बिगड़ेगी तो देश कैसे उससे अछुता रहेगा। अनुशासनहीन व्यक्ति केवल अपने लिए ही नहीं, समस्त देश व समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। अनुशासित विद्यार्थी अनुशासित नागरिक बनते हैं एवं अनुशासित नागरिक एक अनुशासित समाज का निर्माण करते हैं।

अनुशासन का वास्तविक अर्थ अपनी दूषित और दूसरों को हानि पहुँचाने वाली प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करना है। अनुशासन के लिए बाहरी नियंत्रण की अपेक्षा आत्मनियंत्रण करना अधिक आवश्यक है। वास्तविक अनुशासन वही है जो कि मानव की आत्मा से सम्बन्ध हो क्योंकि शुद्ध आत्मा कभी भी मानव को अनुचित कार्य करने को प्रोत्साहित नहीं करती।

हमारे महापुरूष

संवेदनशील अमर रचनाकार

शरतचन्द्र

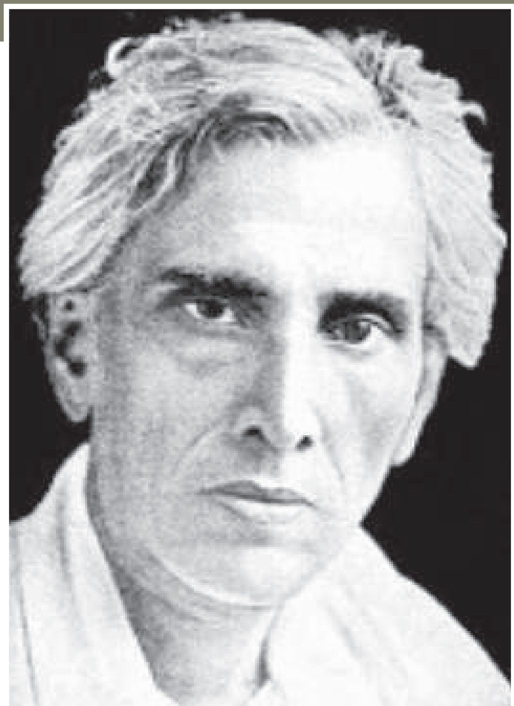

देवदास, श्रीकांत और बिराज बहू जैसे चरित्र लिखकर पूरे देश में बेहद लोकप्रिय हुए शरतचन्द्र के बारे में समीक्षकों का मानना है कि वह हमेशा अपने आसपास के चरित्रों को अपना पात्र बनाते थे और उनके दिल की भाषा लिखने में माहिर थे।

शरतचन्द्र की लिखी प्रेमकथा देवदास एक ऐसा उपन्यास है जिसकी लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। कहानी की कसावट और पात्रों की जीवंतता के कारण देवदास न केवल पाठकों बल्कि फिल्मकारों का भी प्रिय विषय रहा है और हिन्दी में अब तक इस पर चार बार फिल्में बन चुकी हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में बांग्ला विभाग के पूर्व प्रमुख अमरनाथ गांगुली के अनुसार शरतचन्द्र का कोई भी चरित्र हमें ऐसा नहीं लगता कि यह हमारे परिवार या आस–पड़ोस का न हो, इसी कारण भारत के किसी भी कोने के पाठक शरत की कहानियों और उपन्यास से बेहद जुड़ाव महसूस करते हैं।

गांगुली के अनुसार शरतचन्द्र ने अपने साहित्य में ज्ञान का डंका बजाने के लिए कभी कृत्रिम या बोझिल भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। उनकी भाषा में सहज प्रवाह है और वह लोगों के दिल से निकलने वाली भाषा को लिखने में माहिर थे। उनके अनुसार शरत साहित्य का लगभग सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद हो चुका है और हर भाषा के पाठकों को लगता है कि यह उनकी भाषा में ही लिखी रचनाएँ हैं।

गांगुली के अनुसार शरतचन्द्र के लेखन का एक अन्य मजबूत पक्ष उनकी कृतियों में मौजूद महिला पात्र हैं। भारत जैसे पुरूष प्रधान समाज में उन्होंने महिलाओं को जिस सशक्त ढंग से पेश किया है और महिला मन की बारीकियों को जिस तरह से पकड़ा है, वैसा किसी अन्य साहित्य में कम ही देखने को मिलता है।

उनके अनुसार देवदास की पार्वती का चरित्र इतना कसा हुआ है कि यदि इसमें एक सूत भी हेरफेर हो जाए तो उसकी आत्मा मर जाएगी। कथा साहित्य के माहिर शरतचन्द्र का स्वयं का जीवन भी किसी रोचक उपन्यास से कम नहीं है। उन्होंने अपने जीवन में तमाम ऐसे अनुभवों को हासिल करने के बाद अपनी कलम चलाई जिसे भद्र समाज में अच्छा नहीं माना जाता।

शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय बांग्ला के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार थे। उनका जन्म 15 सितंबर 1876 को बंगाल के हुगली जिले के देवानंदपुर में हुआ। वे अपने माता–पिता की नौ संतानों में से एक थे। इनका बचपन घोर गरीबी में गुजरा। अट्ठारह साल की अवस्था में उन्होंने इंट्रेंस पास किया। इन्हीं दिनों उन्होंने 'बासा' (घर) नाम से एक उपन्यास लिख डाला, पर यह रचना प्रकाशित नहीं हुई। रवींद्रनाथ ठाकुर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा।

शरतचन्द्र ललित कला के छात्र थे, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते वह इस विषय की पढ़ाई नहीं कर सके। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें चार्ल्स डिकेंस और लार्ड लिटन जैसे अंग्रेज लेखकों को पढ़ने का चस्का लग गया था। कुछ समीक्षक उनकी आरम्भिक कहानियों और उपन्यासों में अंग्रेजी लेखकों के प्रभाव की बात स्वीकार करते हैं।

बचपन से ही काफी जागरूक और शरारती स्वभाव वाले शरतचन्द्र एक समय सन्यास की ओर प्रेरित हो गए। पिता के निधन के बाद उनकी प्रसिद्ध कहानी मंदिर छपी। यह कहानी उन्होंने सुरेन्द्र नाथ गांगुली के छद्म नाम से लिखी और यह पुरस्कृत हुई।

रोजगार की तलाश में शरतचन्द्र बर्मा गए और लोक निर्माण विभाग में क्लर्क के रूप में काम किया। कुछ समय बर्मा रहकर कलकत्ता लौटने के बाद उन्होंने गंभीरता के साथ लेखन शुरू कर दिया। बर्मा से लौटने के बाद उन्होंने अपना प्रसिद्ध उपन्यास श्रीकांत लिखना शुरू किया।

कुछ समीक्षकों का मानना है कि श्रीकांत के रूप में शरतचन्द्र ने अपने ही जीवन का निरूपण किया है। श्रीकांत उपन्यास अपने सशक्त महिला पात्रों के कारण भी जाना जाता है। यह उपन्यास चार खण्डों में आया। कथा साहित्य के साथ शरतचन्द्र का झुकाव आजादी के आंदोलन

शेष पृष्ठ सं. 29 पर

पर्यटन स्थल

परम्परा से बनी विरासत

शेखावाटी : नवलगढ़ की हवेलियाँ

शेखावाटी उत्तर–पूर्वी राजस्थान का एक अर्ध–शुष्क ऐतिहासिक क्षेत्र है। राजस्थान के वर्तमान सीकर, झुंझुंनू और चुरू जिले शेखावाटी के नाम से जाने जाते हैं। इस क्षेत्र पर आजादी से पहले शेखावत क्षत्रियों का शासन होने के कारण इस क्षेत्र का नाम शेखावाटी प्रचलन में आया। देशी राज्य के भारतीय संघ में विजय से पूर्व मनोहरपुर–शाहपुरा, खंडेला, सीकर, खेतड़ी, बिसाऊ, सुरजगढ़, नवलगढ़, मंडावा, मुकन्दगढ़, दांता, खुड, खाचरियावास, अलसीसर, मलसीसर, लक्ष्मणगढ़, बीदसर आदि बड़े–बड़े प्रभावशाली संस्थान शेखा जी के वंशधरों के अधिकार में थे।

वर्तमान शेखावाटी क्षेत्र पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में विश्व मानचित्र में तेजी से उभर रहा है। वहीं नवलगढ़, फतेहपुर, अलसीसर, मलसीसर, लक्ष्मणगढ़, मंडावा आदि जगहों पर बनी प्राचीन बड़ी–बड़ी हवेलियाँ अपनी विशालता और भित्ति चित्रकारी के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं जिन्हें देखने देशी–विदेशी पर्यटकों का ताँता लगा रहा है। पहाड़ों में सुरम्य जगहों पर बने जीण माता मंदिर, शाकम्बरी देवी का मंदिर, लोहार्गल के अलावा बाबा खाटूश्यामजी का मंदिर, सालासर में हनुमान जी का मंदिर आदि स्थान धार्मिक आस्था के ऐसे केन्द्र हैं जहाँ दूर–दूर से श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं।

इस शेखावाटी प्रदेश ने जहाँ देश के लिए अपने प्राणों को बलिदान करने वाले देशप्रेमी दिए वहीं उद्योगों व व्यापार को बढ़ाने वाले सैकड़ों उद्योगपति व व्यापारी दिए, जिन्होंने अपने उद्योगों से लाखों लोगों को रोजगार देकर देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दिया। भारतीय सेना को सबसे ज्यादा सैनिक देने वाला झुंझुनू जिला शेखावाटी का ही भाग है।

भौगोलिक स्थिति : राजस्थान का मरूभूमि वाला पूर्वोत्तरी एवं पश्चिमोत्तरी विशाल भू–भाग वैदिक सभ्यता के उदय का उषा काल माना जाता है। हजारों वर्ष पूर्व भू–गर्भ में विलुप्त वैदिक नदी सरस्वती यहीं पर प्रवाहमान थी, जिसके तटों पर तपस्यालीन आर्य ऋषियों ने वेदों के सूत्रों की संरचना की थी। सिन्धुघाटी सभयता के अवशेषों एवं विभिन्न संस्कृतियों के परस्पर मिलन, विकास उत्थान और पतन की रोचक एवं गौरव गाथाओं को अपने विशाल आँचल में छिपाए यह मरूभूमि भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण अध्याय की स्रष्टा और द्रष्टा रही है। इस मरूभूमि ने ऐसे विशिष्ठ पुरूषों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने कार्यकलापों से भारतीय इतिहास को प्रभावित किया है।

नवलगढ़ का इतिहास :

ठाकुर नवल सिंह बहादुर ने 1737 ई. में नवलगढ़ की स्थापना की थी। राजस्थानी में नौलगढ़ के नाम से विख्यात नवलगढ़ तहसील झुंझुनू जिले में स्थित है। मारवाड़ी समुदाय के कई महान व्यापारिक परिवार नवलगढ़ मूल के हैं। नवलगढ़ उच्च दीवारों (परकोटा) और अलग–अलग दिशाओं में चार दरवाजों, अगूना दरवाजा, बावड़ी दरवाजा, मंडी दरवाजा और नानसा दरवाजा से मिलकर सुसज्जित घेरे में सुरक्षित किया गया था।

हवेलियाँ : शेखावाटी के राजपूत किलों एवं हवेलियों में बनी सुन्दर फ्रेस्को पेंटिंग्स दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इसी के चलते शेखावाटी अंचल को राजस्थान के ओपन आर्ट गैलरी की संज्ञा दी जाती है। 1830 से 1930 के दौरान व्यापारियों ने अपनी सफलता और समृद्धि

को प्रमाणित करने के उद्देश्य से सुन्दर एवं आकर्षक चित्रों से युक्त हवेलियों का निर्माण कराया। इनमें भगतों की हवेली, छोटी हवेली, परशुरामपुरिया हवेली, छाउछरिया हवेली, सेकसरिया, मोरारका की हवेली एवं पोद्दार हवेली आदि प्रमुख हैं। हवेलियों के रंग शानों–शौकत के प्रतीक बने। समय गुजरा तो परम्परा बन गए और अब तो विरासत का रूप धारण कर चुके हैं। कलाकारों की कल्पना जितना उड़ान भर सकती थी, वह सब इन हवेलियों की दीवारों पर आज देखने को मिल जाता है।

पर्यटन : नवलगढ़ का किला, रूप निवास पैलेस, शीशमहल, पोद्दार कॉलेज टावर, लक्ष्मी नृसिंह मंदिर और गोपीनाथ जी मंदिर दर्शनीय आकर्षण हैं।

कैसे पहुँचे : सड़क मार्ग – यह झुंझुनू से करीब 39 किमी. एवं सीकर से मात्र 30 किमी. दूरी पर स्थित है। जयपुर, दिल्ली, अजमेर, कोटा और बीकानेर से यह सड़क मार्ग से सीधे जुड़ा हुआ है।

रेल मार्ग – जयपुर–लुहारू मार्ग पर स्थित नवलगढ़ मीटर गेज रेल लाइन से जुड़ा है। हेरिटेज ऑन व्हील्स, एक लक्ज़री टूरिस्ट ट्रेन है, जो नवलगढ़ और शेखावाटी को करीब से देखने का अवसर प्रदान करती है।

वायु मार्ग – जयपुर तक हवाई यात्रा से पहुँच कर कार–टैक्सी से नवलगढ़ पहुँचा जा सकता है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। सभी स्काउट गाइड विविध प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से अपने कौशल में वृद्धि के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस अंक में 'जिल्दसाज' एवं 'बढ़ई' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

जिल्दसाज
BOOK BINDER

प्रत्येक स्काउट को विद्यार्थी जीवन में उपयोगी कार्यों का ज्ञान होना चाहिये। छात्र–छात्राओं को अपनी पुस्तकों, कॉपियों आदि के उचित संधारण एवं रखरखाव के ज्ञान की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिल्दसाज दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

पुस्तक पर जिल्द चढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया करे–

(1) पुस्तक की सिलाई करने के लिए जुजबन्दी करे या भाग तैयार करे तथा जुर्जो को सी सके।

(2) कागज के सिरों को मोड़ सके तथा चिपका सके, लेई या गोंद लगाकर पीछे की ओर मलमल से ढक सके तथा दूसरी लाइनिंग करे।

(3) पुट्ठा काट सके, उसे अबरी या कपड़े से चिपका कर दाब दे सके।

(4) किसी अपंग बालक या अपने ग्रुप के किसी गरीब छात्र की अथवा स्कूल पुस्तकालय की दो पाठ्यपुस्तकों पर जिल्द चढ़ाए।

(5) किसी एक अन्य कब या मित्र को जिल्द चढ़ाना सिखाए।

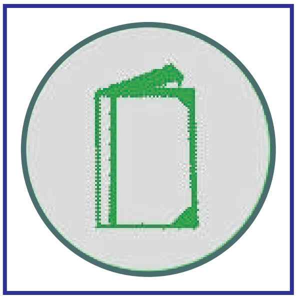

बढ़ई
CARPENTER

मनुष्य को कभी–कभी ऐसी परिस्थितियों एवं हालातों का सामना करना पड़ जाता है जब लकड़ी एवं फर्नीचर से संबंधित छोटे–छोटे मरम्मत कार्यों के लिए भी दूसरों पर आश्रित होना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में अपना कार्य कैसे किया जा सकता हैं, के बारे में कुछ जानना लाभकारी रहता है। साथ ही लकड़ी के कार्य को अपनी आजीविका का साधन भी बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए बढ़ई दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है।

2. कारपेन्टर (बढ़ई):–

(1) लकड़ी या पेंच को नुकसान पहुँचाए बिना, पेंच को 38 मि.मी (1.5 इंच) तक कसना।

(2) 13 मि.मी. (0.5) की कीलें ठोक कर (लगा कर), समान भेजने वाली एक पेटी पर सही तरीके से ढक्कन लगाए अथवा एक पेटी (बॉक्स) बनाए।

(3) एक साधारण आरी से 25 मि.मी. (1 इंच) चौड़े, 60 से.मी. (2 फूट) लंबे बोर्ड (तख्ते) को लम्बाई में चीर सके और इस प्रकार से चीरने का 'कट' चीरी जाने वाली रेखा से 1/30 से.मी. (1/16इंच) से अधिक इधर–उधर नहीं होना चाहिए।

(4) चौरासी और रन्दे को तेज कर सके, जोड़ों के चूल व साल बना सके और 'आधे जोड़' लगा सके।

(5) लकड़ी के दो टुकड़ों जिनमें पाँच से ज्यादा चूल न हो, की चूलों को बैठा सके या सही प्रकार से ढाँचे वाली कुर्सी, स्टूल अथवा ढाँचे युक्त फर्नीचर की कोई वस्तु बना सके।

(6) स्थानीय प्रयोग से सम्बन्धित लकड़ी के बारे में आधारभूत जानकारी रखे और प्रत्येक की प्रकृति तथा उनके सामान्य उपयोग की जानकारी रखे।

(7) अपनी संस्था अथवा किसी अन्य संस्था प्रधान जी के स्कूल फर्नीचर की मरम्मत करने में सहायता करे।

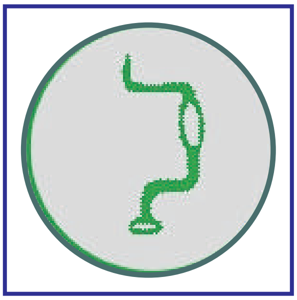

दैनिक नवज्योति jaipur city - 19 Aug 2025 - Page 6

स्काउट गाइड | अनुशासन की

स्काउट गाइड अ

प्रसंगवश

निरंजन आर्य
राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड
के राज्य मुख्य आयुक्त

" स्काउट गाइड जिसकी स्थापना 1907 में बेडन पावेल ने की थी। यह एक ऐसा गैर राजनीतिक संगठन है जिसमें, सामुहिक अस्तित्व के समायोजन, कठिन परिस्थितियों में निर्णायक क्षमता अभिवृद्धि तथा शारीरिक व मानसिक दृढ़ता के साथ स्वयं कार्य निष्पादन की महता प्राथमिक है।

समाज में सेवा भावना, राष्ट्र प्रेम, स्वावलंबन एवं अनुशासन प्रस्फुटित करने की एक विलक्षण मनोरथ रूपी जुंबिश है,स्काउट गाइड जिसकी स्थापना 1907 में बेडन पावेल ने की थी। यह एक ऐसा गैर राजनीतिक संगठन है जिसमें, सामुहिक अस्तित्व के समायोजन, कठिन परिस्थितियों में निर्णायक क्षमता अभिवृद्धि तथा शारीरिक व मानसिक दृढ़ता के साथ स्वयं कार्य निष्पादन की महता प्राथमिक है। हम कल्पना कर सकते हैं कि 1907 के भारत की दशा या विकास परिदृश्य कैसा था। देश की पूरी आबादी 15-20 करोड़ रही होगी। सड़कें, रेलमार्ग, टेलीफोन, बिजली नहीं के बराबर थे। उस चुनौतीपूर्ण समय में दूभर जिन्दगी जी रहे मानव मात्र की सेवा, प्रकृति की रचनाओं के प्रति आसक्ति, दिनचर्या में अनुशासन के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का बीड़ा स्काउट गाइड आंदोलन ने उठाया था।

स्काउटिंग का प्रादुर्भाव

वर्तमान में भी, चाहे कोई भी सामाजिक, सरकारी कार्यक्रम एवं सेवा अथवा धार्मिक आयोजन हो, सभी जगह स्काउट गाइड की सक्रिय उपस्थिति व मुस्तैदी ने स्काउटिंग को खास पहचान दी है। जिस स्काउटिंग के दीपक की हल्की सी लौ 1907 में इंग्लैण्ड में जली थी, आज वह ज्योति पुन्ज होकर विश्व भर के 216 देशों व उपनिवेशों में 40 मिलियन से भी अधिक सदस्यों को अपने तीव्र प्रकाश से ज्योतिर्मय कर रही है। भारत में स्काउटिंग का प्रादुर्भाव महामना पं. मदन मोहन मालवीय ने इलाहबाद में सन 1917 में किया। महाकुम्भ के मौके पर सेवा, शान्ति व व्यवस्था करने के उद्देश्य से दिनांक 7 नवम्बर, 1950 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री की प्रेरणा और सद्प्रयास से बना यह बालचर संगठन, जो कई छोटे-छोटे संगठनों में बंटा हुआ था, एकीकृत हुआ। 600 देशी रियासतों के अलग-अलग स्काउट संगठन, हिन्दुस्तान स्काउट

...एक विलक्षण मनोरथ रूपी जुंबिश है स्काउट गाइड

...र्थ एवं प्रासंगिकता

एसोसिएशन, ऑल इण्डिया बॉय स्काउट एसोसिएशन और सेवा समिति आदि सब संगठन एक होकर सेवाभावी संस्था ₹ भारत स्काउट व गाइड के नाम से बनी।

राजस्थान में स्काउटिंग

राजस्थान में स्काउटिंग का प्रादुर्भाव सन 1912 में केन्द्र शासित अजमेर-मेरवाड़ा की सेन्ट एन्सलम स्कूल में स्काउटिंग का उदय हुआ। रजवाड़ों में सन 1921 में प्रिंस ऑफ बेल्स के आगमन के वक्त बीकानेर में, 1922 में उदयपुर में और इसके तदन्तर (दो वर्ष बाद) सन 1924 में जयपुर व जोधपुर में स्काउटिंग पनपी सन 1923-24 तक बीकानेर, कोटा, करौली, अलवर, भरतपुर आदि रियासतों में भी स्काउट संगठन उभरे।

स्काउट गाइड की प्रासंगिकता

कालान्तर में देश में विकास व सुविधाओं के नए सौपान स्थापित हुए हैं। सामाजिक संबंधों का ताना बाना भी नए स्वरूप में है। आर्थिक प्रगति की तनातनी में परिवार एवं रिश्तों के रूप में भी अंतर आया है। एक तरफ जहां आबादी 140 करोड़ हो गई है, वहीं दूसरी तरफ जल, जंगल, जमीन के प्राकृतिक स्वरूप में ऋणात्मक परिदर्शन हुआ है। जीवन मूल्यों की नई परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं, तो सामुहिकता की भावना के विपरीत एकाकीवाद एवं स्वेच्छाचारिता दृष्टिगोचर हो रही है। ऐसे परिवर्तित समाज एवं मान्यताओं के बीच में स्काउट गाइड की प्रासंगिकता ज्यादा है, विशेषकर युवाओं के लिए। स्काउट गाइड आन्दोलन के संस्थापक लॉर्ड बेडन पॉवेल के उद्गार-जीवन जीने के दो ही मार्ग होते हैं - स्वार्थ या सेवा।

स्वयं महाराजा सवाई मानसिंह ने चीफ स्काउट होने का गौरव प्राप्त किया। शनैः शनैः राजपुताना के सभी रजवाडों में स्काउटिंग पनप गई।

फरवरी, 1937 में हमारे संगठन के संस्थापक लार्ड एवं लेडी बेडन पॉवेल की सादर उपस्थिति में दिल्ल में ब्रिटिश, भारत की सभी केन्द्र शासित व रजवाड़ी रियासतों के संगठनों की जम्बूरी हुई। जिसमें जयपुर से रामस्वरूप धीमान के नेतृत्व में 70 स्काउट्स व स्काउटर ने भाग लिया। सन 1950 में राजपूताने के अठारह रजवाड़ों की रियासतों का विलीनीकरण हो जाने से वर्तमान राजस्थान का निर्माण हुआ, जिसके फलस्वरूप ही राज्य में स्काउटिंग गाइडिंग का एकीकृत स्वरूप में उमरा। इसी कड़ी में 2 फरवरी, 1950 को कॉक्स कुटीर जोधपुर में राजपुताने के सभी स्काउट-गाइड कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें राजस्थान भारत स्काउट व गाइड का भावी स्वरूप तय हुआ।

वर्तमान स्थिति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स के गठन के समय सन 1951-52 में 28862 स्काउट्स व 2882 गाइड्स (कुल 31700) संगठन में पंजीकृत थे, जो आज 17 लाख से अधिक की संख्या तक पहुंचे हैं। वर्ष 2023 में रोहट (जिला-पाली) में भारत स्काउट गाइड की राष्ट्रीय जम्बूरी का अभूतपूर्व आयोजन किया गया, जिसमें भारत की राष्ट्रपति महोदया ने भी आर्शिवाद दिया। इसमें सूबे के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी उपस्थित रहे। जिनकी प्रेरणा एवं सहयोग से ही यह आयोजन सफल हो सका। गहलोत अपने विद्यार्थी जीवन में स्वयं स्काउट लीडर रह चुके हैं। यद्यपि वर्तमान में राज्य में स्काउट गाइड की संख्यात्मक वृद्धि दर भारत में सर्वाधिक है तथा गुणात्मक रूप से भी राजस्थान राज्य को भारत स्काउट गाइड की प्रत्येक राष्ट्रीय जम्बूरी में अनवरत रूप से प्रथम स्थान मिला है।

गतिविधि दर्पण

अजमेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला अजमेर का तृतीय वार्षिक अधिवेशन 22 अगस्त 2025 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर में सीताराम शर्मा, बालमुकुंद माहेश्वरी, राकेश कुमार श्रीवास्तव,

प्रधानाचार्य माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के विशिष्ट आतिथ्य एवं उपाध्यक्ष के.जी. वैष्णव, विजेंद्र बुदवाल, देवी सिंह कछावा, दमयंती परमार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमंत मिश्रा, दया मेघानी, विनोद दत्त जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर के आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिला सचिव श्री सत्यनारायण वैष्णव ने बताया कि जिला अजमेर का वार्षिक अधिवेशन में अतिथियों का बैंड एवं गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात विशाल गर्जना, बुलबुल गीत, घेरे के गीत, बड़ी सलामी के अवलोकन के पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर ईश वंदना की गई। इसके पश्चात माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के स्काउट गाइड द्वारा गुजराती गरबा, देश भक्ति गीत जैसे सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विनोद जोशी ने कहा कि अजमेर जिले की गतिविधियां सक्रिय कार्यकर्ता एवं निस्वार्थ भाव से स्काउट गाइड द्वारा किए कर्मों का ही फल है। इससे फलस्वरुप अजमेर जिला की श्रेष्ठ उपलब्धियां रही है इसके साथ जिला प्रशासन द्वारा दिया गया समय समय पर कार्य भी किया जाता है जिसमें अजमेर के स्काउट गाइड अहम भूमिका निभाते है। इसके पश्चात व्यावहारिक अधिवेशन में वार्षिक प्रतिवेदन का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। नरेन्द्र खोरवाल सी.ओ. स्काउट अजमेर द्वारा प्राप्त संदेशों का पठन किया गया। जिला सचिव सत्यनारायण वैष्णव द्वारा गत अधिवेशन की कार्यवृत्त की पुष्टि कराई गई। सी.ओ. गाइड अनिता तिवाड़ी ने बताया कि विशिष्ट उपलब्धियों में हिमालय वुड बैज, डायमंड जुबली जंबूरी त्रिचि तमिलनाडु में भाग लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय, शत प्रतिशत कोटामनी जमा कराने वाले स्थानीय संघ पीसांगन, आदर्श नगर, तोपदड़ा का सम्मान किया गया। अधिवेशन में अंशु भार्गव एवं नवीन टांक का विशेष सहयोग रहा, संचालन अनिता तिवाड़ी ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला ब्यावर के स्काउटर गाइडर का दल मेनाल शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ। सहायक लीडर ट्रेनर सुरेश चन्द फुलवारी ने बताया कि ब्यावर जिले के स्काउटर गाइडर का दल प्रभारी सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान और सहायक जिला कमिश्नर ताराचंद जांगिड़ के नेतृत्व में मेनाल के लिए बस द्वारा रवाना हुआ। इस बस को महाप्रबंधक कॉओपरेटिव सोसाइटी भीलवाड़ा राजेन्द्र सिंह पंवार और जवाजा उप प्रधान नारायण सिंह पंवार ने झंडी

दिखा कर रवाना किया। दल के प्रभारी और स्थानीय संघ ब्यावर के सचिव मोहन सिंह चौहान ने बताया कि प्रातः बस द्वारा प्रस्थान कर सवाई भोज मंदिर आसींद, त्रिवेणी, गोवटा बांध, चित्तौड़गढ़ जिले के जोगणिया माता और मेनाल जल प्रपात आदि दर्शनीय स्थलों के दर्शन किए। दल में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी सरदार सिंह चौहान, सेवानिवृत्त सीबीईओ पूनम चन्द वर्मा, मुरली मनोहर जाटव, सुमित फौजदार, कुंदन मल वर्मा, विष्णु प्रकाश मिश्रा, यशपाल यादव, राधा चौहान, जमना रावत, सीमा अग्रवाल, भावना कुमारी, सरोज रावत, प्रमिला कछावा, किरण चौधरी, वंदना चौहान, अनिता कछावा, लक्ष्मी फुलवारी, इंद्रा चौहान सम्मिलित रहे।

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, भरतपुर पर हरियालो राजस्थान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलक्टर भरतपुर श्री राहुल सैनी के मुख्य अतिथि में किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री गिरधारी तिवारी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं एडीपीसी समसा श्री

अमित कुमार शर्मा, सहायक स्टेट कमिश्नर श्री आलोक शर्मा, सहायक स्टेट कमिश्नर श्री प्रदीप शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुरेंद्र गोपालिया, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक श्री अतुल कुमार चतुर्वेदी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी संयुक्त निदेशक कार्यालय श्री विनोद शर्मा, श्री ब्रजेश, चंद्रशेखर वशिष्ठ संयुक्त निदेशक कार्यालय, श्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा जिला सचिव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री बलराज, एलटी श्री यादराम, श्री मुरारी लाल, नीलम जी, सचिव भानु प्रताप सिंह, मिथिलेश कुमारी, लावण्या मुखिया आदि के द्वारा जिला मुख्यालय पर पौधारोपण किया गया।

❖ हरित राजस्थान अभियान के अंतर्गत करौली के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम में भारत स्काउट व गाइड द्वारा संचालित इको क्लब के सदस्यों ने सहायक जिला कमिश्नर एवं प्राचार्य भयसिंह मीणा के नेतृत्व में स्काउटर राजेश सिंह गुर्जर एवं स्काउट्स ने विद्यालय परिसर में ग्रीन

स्कूल क्लीन स्कूल की अवधारणा को मूर्त रूप देते हुए विभिन्न प्रजाति के लगभग 400 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प लिया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के प्राचार्य भयसिंह मीणा स्काउट गाइड संगठन के सक्रिय सदस्य हैं। श्री मीणा ने बेसिक कमिश्नर कोर्स, हिमालय वुड बैज, रोवर लीडर एडवांस कोर्स प्रशिक्षण प्राप्त कर रखा है। इनके विद्यालय से तीन दर्जन से अधिक स्काउट राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम के स्काउट्स डायमंड जुबली जंबूरी त्रिची, तमिलनाडु तथा 25वें राष्ट्रकथा शिविर राजकोट, गुजरात में सहभागिता कर चुके हैं।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में जिला स्काउट गाइड भवन में राज्यपाल पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 31 जुलाई से 4 अगस्त तक किया गया, जिसमें स्काउट और गाइड को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि शिविर के तीसरे दिन प्रतिभागियों को गांठों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसमें प्रथम सोपान और द्वितीय सोपान की गांठें तथा पायनियरिंग तकनीकों का अभ्यास कराया गया। शिविर संचालक, दौसा के एल.टी. राम अवतार शर्मा ने शिविर के प्रत्येक दिन के कार्यक्रम का विस्तृत विवरण

देते हुए बताया कि पहले दिन प्रतिभागियों को स्काउट–गाइड नियम, प्रतिज्ञा, चिन्ह, सैल्यूट, हाथ मिलाना, झंडा गीत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, आंदोलन का इतिहास आदि का प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन दिशा ज्ञान, प्राथमिक उपचार, विभिन्न प्रकार के झंडों की पहचान, ध्वज शिष्टाचार, निरीक्षण पद्धति और लेआउट बनाने का प्रशिक्षण हुआ। तीसरे दिन गांठों और पायनियरिंग कार्यों के जरिए व्यावहारिक परियोजनाएं तैयार करने की प्रक्रिया सिखाई गई। इससे पहले 1 अगस्त को विश्व स्कार्फ दिवस मनाया गया, जिसमें स्कार्फ के महत्व और उपयोग पर विशेष सत्र हुआ। राम अवतार शर्मा ने बताया कि स्कार्फ न केवल गले की शोभा बढ़ाता है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में यह मेडिकल पट्टी, स्ट्रेचर या रक्तस्राव रोकने के साधन के रूप में भी उपयोगी है। सहायक शिविर संचालक सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि राज्यपाल पुरस्कार के लिए सीखी गई विधाओं का मूल्यांकन राज्य मुख्यालय द्वारा नियुक्त परीक्षकों द्वारा नवंबर–दिसंबर माह में किया जाएगा। शिविर के संचालन में विनोद कुमार चौधरी, राजेश कुमार गुर्जर, बॉबी कुमार, राजेश कुमार सारस्वत, प्रधान मीणा आदि ने सक्रिय रूप से सहयोग किया।

❖ 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत करौली जिले में श्री राम वाजपेई की जयंती के अवसर पर "एक पेड़ मां के नाम" वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि विश्वेंद्र सिंह गुर्जर, सांसद प्रत्याशी इंदु देवी जाटव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय माध्य.शिक्षा) इंद्रेश तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय प्रारं.शिक्षा) पुष्पेंद्र कुमार

शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीमा जादौन तथा अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रजनी गोयल ने वृक्षारोपण करके किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि अभियान के अंतर्गत स्काउट गाइड ने "एक पेड़ मां के नाम" लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया। विधायक प्रतिनिधि विश्वेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि पेड़ लगाना एक अत्यंत पुनीत कार्य है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम पाँच पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। गोपाल प्रसाद मीणा ने स्काउट गाइड के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इनका कार्य अनुकरणीय है। अति.पुलिस अधीक्षक गुमनाराम ने सहजन का पेड़ लगाते हुए बताया कि पेड़ों का हमारे धार्मिक ग्रंथों में विशेष महत्व है और वे हमारे लिए पूजनीय हैं। इंद्रेश तिवारी ने कहा कि एक पेड़ अपने जीवनकाल में लाखों रुपए मूल्य की सामग्री प्रदान करता है और हजारों जीवों को आश्रय देता है। पुष्पेंद्र कुमार शर्मा ने पेड़ों को जीवन के लिए अनमोल संसाधन बताते हुए कहा कि उनसे हमें फल, फूल, लकड़ी और अन्य उपयोगी सामग्री प्राप्त होती है। सांसद प्रत्याशी इंदु देवी जाटव ने कहा कि आदिकाल से मानव पेड़ों की छाया में रहा है और जंगलों से ही जीवन यापन करता आया है। उन्होंने पेड़ों से मिलने वाले बहुमूल्य संसाधनों का उल्लेख करते हुए वृक्षारोपण को जीवनदायी परंपरा बताया। सीमा जादौन ने स्वयं एक पेड़ लगाकर स्काउट गाइड को प्रेरित किया। रजनी गोयल ने स्काउट गाइड यूनिफॉर्म में उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का स्वागत सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत, ट्रेनिंग काउंसलर गणेश चंद्र शर्मा, सहायक सचिव अनुराधा सारस्वत और सपना सारस्वत ने स्कार्फ पहनाकर किया। मोंटसरी किड्स पब्लिक स्कूल के कब–बुलबुल बच्चों ने तिलक लगाकर अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया। राष्ट्रपति रोवर सुरेंद्र कुमार अग्रवाल ने सभी लगाए गए पेड़ों को प्रतिदिन पानी देकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के व्याख्याता अमित कुमार गुप्ता, स्काउट मास्टर डॉ. वरुण पाराशर, राज्यपाल पुरस्कार रोवर लवकुश मंगल, निलेश जंगम, मदन गोपाल शर्मा, निकिन जाटव, राज्य पुरस्कार रेंजर करिश्मा जादौन, स्नेहा जादौन, कीर्ति सोनी, गौरव सोनी सहित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय करौली, महात्मा ज्योतिबा फुले उच्च माध्यमिक विद्यालय, और मोंटसरी स्कूल करौली के स्काउट, गाइड, कब, बुलबुल, रोवर एवं रेंजर ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सवाई माधोपुर पर हरियालो राजस्थान के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम स्काउट वन आवासन मंडल एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय आवासन मंडल पर किया गया। कार्यक्रम में जिला संयोजक एवं जिला प्रधान श्री भरत लाल मथुरिया, श्रीमती संतोष मथुरिया, सामाजिक कार्यकर्ता श्री रामपाल बालोत, प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता मीणा आदि के मुख्य आतिथ्य में वृक्षारोपण

कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बीकानेर मण्डल

❖ मण्डल स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र, देवीकुंड सागर, बीकानेर में पंडित श्रीराम वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर राजस्थान सरकार की 'हरियालो राजस्थान : एक पेड़ मां के नाम' थीम के तहत जिला स्तरीय सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भारत स्काउट व गाइड की

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विमला मेघवाल, भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत, तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं एम.आर. चैनल बीकानेर के निदेशक ब्रजमोहन जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए जनमानस से आह्वान किया। कार्यक्रम में स्काउट–गाइड सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू का तृतीय जिला परिषद वार्षिक जन अधिवेशन का आयोजन हर्षिनी कुलहरी जिला प्रमुख के मुख्य आतिथ्य एवं झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जन अधिवेशन में अतिथियों ने जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन की स्मारिका का विमोचन किया तथा इस अवसर पर जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी ने संबोधित करते हुए कहा कि झुंझुनू जिले की स्काउट गाइड राजस्थान प्रदेश में उत्कृष्ट स्तर की है। जिला प्रमुख ने झुंझुनू जिले द्वारा की जा रही रचनात्मक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बच्चों को राज्य पुरस्कार एवं

राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए स्थानीय विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन चरित्र निर्माण की कार्यशाला है, जिसमें बालक बालिकाओं, युवक युवतियों का चारीत्रिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, शारीरिक विकास करते हुए देश के लिए अच्छे नागरिक तैयार किए जाते हैं। इस अवसर पर विधायक भांबू ने स्काउट कार्यालय भवन विकास हेतु दो वित्तीय वर्ष में 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। सी.ओ. स्काउट कालावत ने बताया कि जन अधिवेशन के बाद जिला परिषद का तृतीय वार्षिक अधिवेशन जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्काउट गाइड स्थानीय संघ अलसीसर प्रधान शिवकरण जानू, बुहाना प्रधान कृष्ण कुमार राव, गुढा गोड़ जी प्रधान डॉ. हरी सिंह गोदारा, स्थानीय झुंझुनू प्रधान गुलजारीलाल कालेर, नवलगढ़ प्रधान मुरली मनोहर चौपदार, मंडावा प्रधान संजय तेतरवाल, सूरजगढ़ प्रधान सुरेश खेदड़ तथा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रितु, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सैनी, जिला उपाध्यक्ष नाहर सिंह गिल, एडीसी स्काउट गाइड, विभिन्न स्थानीय संघ के सचिव, ग्रुप लीडर, संयुक्त सचिव सहित सैकड़ो की संख्या में स्काउट गाइड संगठन के कार्यकर्ता, पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन अनीता शर्मा ने किया तथा सी.ओ. गाइड सुभीता महला ने सभी का आभार प्रकट किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में क्वालिटी कंट्रोल सार्वजनिक निर्माण विभाग की एक्सईएन केसर जाटव के मुख्य आतिथ्य एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग सहायक अभियंता नितिक्षा वर्मा के नेतृत्व में सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) कार्यक्रम आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस अवसर पर क्वालिटी कंट्रोल

की केशर जाटव ने बताया कि सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान के अंतर्गत जिले भर के कॉलेज विद्यार्थियों एवं स्काउट गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स को सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु प्रशिक्षण दिया गया, जिसके अंतर्गत सुरक्षित सड़क, सेंट्रल लाइन, सुचारू सुविधा युक्त सड़क, सुंदर सड़क, सड़क सुरक्षा चिन्ह, डिवाइडर, प्रॉपर पौधारोपण जैसी नॉर्म्स के अनुसार 7 किलोमीटर सड़क को तैयार किया जाएगा एवं 10 सितंबर को जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित स्काउट्स को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सड़क सुरक्षा की विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुभीता महला ने सभी का आभार प्रकट किया तथा कार्यक्रम में स्काउट गाइड के शिक्षकों सहित विभिन्न विद्यालयों के 320 स्काउट्स एवं 30 स्काउट प्रभारी सहित 350 लोग उपस्थित रहे।

❖ झुंझुनू में आयोजित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी 11 ब्लॉकों के 57 विद्यालयों के 320 स्काउट्स ने राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के संचालक एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस शिविर का आयोजन दिनांक 22 से 26 जुलाई तक किया गया। जिसमें स्काउट्स को प्राथमिक चिकित्सा, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, ध्वज शिष्टाचार, आपदा

प्रबंधन, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, अनुमान लगाना, गांठे, जैसी विभिन्न स्काउट गाइड कलाओं का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किया गया। श्री कालावत ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद में इन स्काउट्स की परीक्षा होगी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर इन्हें महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षरित राज्य पुरस्कार अवार्ड से नवाजा जाएगा।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस रैली का आयोजन किया गया। रैली को सी.ओ. स्काउट महेश कालावत एवं जिला उप प्रधान नाहर सिंह गिल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्काउट कार्यालय से होते हुए कारुंडीय रोड, एसबीबीजे बैंक, गांधी पार्क, मोदी रोड, कुमावत बस्ती, हरिजन बस्ती होते हुए स्काउट कार्यालय पहुंची। इस दौरान उपस्थित स्काउट्स को संबोधित करते हुए सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने कहा कि हमें शहीदों की शहादत से प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिक बनते हुए देश की एकता अखंडता और

अक्षुण्णता को बनाए रखने हेतु अपना सर्वस्व योगदान देना चाहिए। इस दौरान हमारे भारतीय योद्धा भी शहीद हो गए थे उनकी शहादत को नमन करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु आवाहन किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के 350 से अधिक स्काउट्स ने कारगिल विजय दिवस रैली में भाग लिया। सभी के हाथों में तिरंगे देखकर हर कोई शाबाशी दे रहा था कि हमारा देश का भविष्य उज्जवल है। स्काउट्स बड़े जोश और खरोश के साथ भारत माता एवं अमर शहीदों के नारे लगाते हुए रैली में भाग ले रहे थे। इस अवसर पर धर्मपाल सिंह, निरंजन लाल शर्मा, मनोज शर्मा, कुलदीप, रामदेव सिंह गढ़वाल, जयपाल सिंह, सुनील कुमार, जितेंद्र तंवर, विकास कुमार, जीताराम, हिम्मत सिंह, महेंद्र कुमार सैनी, रामकिशन सैनी, विक्की कुमार, मुन्ना राजोरा, नरेश रोहिल्ला, कविराज, नरेश कुमार, हरिराम मोरवाल, जय सिंह जानू सहित सैकड़ो की संख्या में स्काउट्स उपस्थित रहे।

❖ स्वच्छता अभियान अंतर्गत 8 अगस्त को सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन परिसर पर भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, सूरतगढ़ द्वारा सूरतगढ़ ओपन रेंजर टीम की रेंजर्स, सरकारी कॉलेज की रेंजर्स और शर्मा बाल मंदिर सी. सैकेंडरी स्कूल की गाइड्स ने रेलवे स्टेशन के अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार मीणा मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सूरतगढ़ स्टेशन और श्री ओमकार निठारवाल मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक रेलवे कॉलोनी सूरतगढ़ और सहायक लीडर ट्रेनर सावित्री स्वामी (रेंजर लीडर) के नेतृत्व में स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। साथ ही स्टेशन को प्लास्टिक मुक्त किया। श्री नरेंद्र कुमार मीणा और श्री ओमकार निठारवाल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने विचार व्यक्त किए

एवं स्काउट गाइड्स को जागरूकता के लिए ऐसा रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद दिया और सभी की सराहना की।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर की सहा. राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा ने 7 अगस्त को जिला मुख्यालय अलवर, राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर और स्थानीय संघ अलवर तथा ग्रुप्स का अवलोकन किया। सर्वप्रथम जिला मुख्यालय का अवलोकन कर जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन किया। दिनांक 4 से 8 अगस्त तक आयोजित उक्त शिविर में 80 गाइड, 44 रेंजर ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान सी.ओ. गाइड विजयलक्ष्मी ने श्रीमती नीता शर्मा का शाब्दिक स्वागत किया तथा शिविर संचालिका श्रीमती रजनेश ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्रीमती शर्मा ने सभी गाइड्स और रेंजर्स से मुलाकात की, उनसे शिविर स्थल पर भौतिक व मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा गाइड्स से विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी की व बालिकाओं को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात सी.ओ. विजयलक्ष्मी व राजेन्द्र

मीणा के साथ राउमावि गून्दपुर मालाखेड़ा, अलवर तथा राउमावि देसूला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड का अवलोकन कर सभी से विचार विमर्श किया और स्काउटिंग गाइडिंग में सभी को जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया। स्थानीय संघ अलवर का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान संघ के प्रधान, उप प्रधान, कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। स्थानीय संघ सचिव श्री अनूप सिंह ने अलवर स्थानीय संघ की संख्यात्मक, गुणात्मक व अन्य सभी प्रकार की उपलब्धियों तथा गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा द्वारा रामकरण जोशी राजकीय विद्यालय में पंडित श्रीराम वाजपेयी की जयंती पर हरियालो राजस्थान के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर वृक्षारोपण किया गया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह के नेतृत्व में आनंद शर्मा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी स्काउट गाइड और रोवर्स के साथ मिलकर वृक्षारोपण कर श्रीराम वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान प्रधानाचार्य वेद व्यास मीणा, प्राचार्य संतोष मीणा, रोवर स्काउट लीडर राकेश कुमार मेहरा, विकास सैनी, मोहसिन खान, संजय कुमार बैरवा, स्काउट मास्टर हीरा लाल महावर, सीपी व्यास, रोवर जयसिंह मीणा, हरिओम शर्मा, विपिन बागडी, भगवती बंशीवाल, महिन्द्रा महावर, छात्रा खुशी महावर और छात्र शिव आदि संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

❖ हरियालो राजस्थान एवं स्काउटिंग के प्रणेता पंडित श्रीराम वाजपेई के जन्मदिवस पर 11 अगस्त को जिला सीकर क्षेत्र में स्काउट गाइड इको क्लब सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण महा अभियान का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राज के बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के प्रांगण में जिला कलक्टर सीकर श्री मुकुल शर्मा, राकेश लाटा एडीपीसी समसा, विक्रम सिंह शेखावत अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा, मामराज शर्मा जिला कोषाध्यक्ष सीकर के आतिथ्य में किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ मुकुल शर्मा जिला कलक्टर एवं अन्य अतिथियों द्वारा नींबू, मौसमी, अमरूद, आंवला के पौधे लगाकर किया गया। इस अवसर पर विभिन्न पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम इको क्लब सदस्य, स्काउट गाइड रोवर, स्काउट गाइड पदाधिकारियों ने भाग लिया। मामराज शर्मा स्काउट गाइड के जिला कोषाध्यक्ष के आर्थिक सहयोग से पौधे लगाए गए। सभी छात्र–छात्राओं एवं इको क्लब सदस्यों व स्काउट गाइड के माध्यम से पर्यावरण रक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने हेतु प्रेरित करने का संदेश दिया गया। पूरे जिले में पौधारोपण का कार्यक्रम स्काउट गाइड सदस्यों द्वारा किया गया। जिला स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम का संचालन बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट, देवीलाल जाट सहायक सचिव सीकर के नेतृत्व में किया गया।

❖ लालसोट में पंडित श्रीराम वाजपेई जयंती पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संता किड्स स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभापति प्रतिनिधि भानूप्रकाश चतुर्वेदी, नगर परिषद आयुक्त नवरतन शर्मा, पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष सुरेश त्रिवेदी, संता किड्स स्कूल निदेशक सत्यप्रकाश स्वामी, क्लाइमेट कॉर्डिनेटर महेंद्र साहू, स्थानीय संघ सचिव श्रीकांत शर्मा, सहायक सचिव गिर्राज मीना, स्टोर प्रभारी रामखिलाड़ी मीना, यूथ कमेटी अध्यक्ष हर्ष शर्मा, हरकेश मीना, अंशुल स्वामी, शंकर सैनी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्काउट गाइड ने कलर पार्टी और गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने पंडित

श्रीराम वाजपेई के स्काउटिंग आंदोलन में योगदान पर प्रकाश डाला। सोनू बिनोरी ने कहा की स्काउटिंग से विद्यार्थियों में सर्वांगीण विकास हो रहा है तथा नगर परिषद आयुक्त नवरतन शर्मा ने कहा की लालसोट में भारत स्काउट गाइड की यूनिट से बच्चों को संपूर्ण भारत का ज्ञान प्राप्त हो रहा है।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 13 अगस्त को हर घर तिरंगा घर–घर तिरंगा अभियान के तहत जिला स्टेडियम से सांवली रोड पर तिरंगा यात्रा का आयोजन सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, एडीपीसी समसा राकेश लाटा, सहायक सचिव देवीलाल जाट, स्काउट मास्टर ओम प्रकाश रेगर, गाइड कैप्टन सुनीता एवं कविता के नेतृत्व में किया गया। जिसमें डेढ़ सौ से अधिक स्काउट गाइड सदस्यों ने भाग लिया। देशभक्ति के नारे लगाते हुए तिरंगा हाथ में लेकर भारत स्काउट गाइड के सदस्यों ने शानदार गतिविधि का आयोजन किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवसिहपुरा के ट्रुप आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा व स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान कोलीड़ा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया। रैली को हरी झंडी दिखाकर स्थानीय सरपंच शिवपाल सिंह, व्याख्याता विद्याधर सिंह मील, नाथू लाल जांगिड़, प्रधानाध्यापक सुल्तान सिंह मील, प्रधानाध्यापक विवेकानंद, तेज प्रकाश शर्मा, स्काउट मास्टर अलिताब धोबी, गाइड कैप्टन सीता देवी मील, प्रियंका शर्मा, फूलचंद मील, नरोत्तम मील, सुखदेव सिंह जाखड़, बृजमोहन मील आदि गणमान्य लोगों ने रवाना किया। रैली गांव के मुख्य मार्ग से होती हुई राजकीय उच्च माध्यमिक

विद्यालय प्रांगण में पहुंचकर वापस मुख्य मार्गों से होती हुई विद्यालय प्रांगण में पहुंची। जगह–जगह ग्रामीण लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों का स्टाफ उपस्थित रहा।

❖ जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के नेतृत्व में राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रेंजर प्रशिक्षण शिविर का सुश्री सुयश लोढ़ा कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) ने अवलोकन किया। सुश्री लोढ़ा ने सभी स्काउट गाइड सदस्यों से मिलकर शिविर संबंधी विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। स्टाफ सदस्यों से शिविर की गुणवत्ता के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर सभी स्काउट गाइड सदस्यों को संबोधित करते हुए राज्य पुरस्कार के बारे में विभिन्न जानकारी प्रदान की और साथ ही 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी लखनऊ में भाग लेने हेतु सभी स्काउट गाइड सदस्यों को प्रेरित कर कहा कि सीकर जिले से अधिक से अधिक स्काउट गाइड राष्ट्रीय जम्बूरी में भाग लेकर उत्कृष्ट

प्रदर्शन कर सीकर जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें। ध्वजारोहण पर शिविर स्थल राउप्रा विद्यालय दौलतपुरा में कुमार नारायण भास्कर पूर्व सरपंच दौलतपुरा, सी.ओ. स्काउट बसंत लाटा, लीडर ट्रेनर अभयसिंह शेखावत उपस्थित रहे। ध्वजारोहण कुमार नारायण पूर्व सरपंच द्वारा किया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, पाटन (सीकर) में स्थित श्रीमती जमुना देवी पांडे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय परिवार द्वारा 8 अगस्त को भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। प्रातः 8 बजे विद्यालय की गाइड बालिकाओं द्वारा विद्यालय से स्थानीय बाजार तक तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व स्थानीय विद्यालय के स्काउट कब प्रभारी ओम प्रकाश, गाइड कमिश्नर सरिता यादव ने किया। प्रधानाचार्य श्री कैलाश चंद्र गुर्जर ने बताया कि तिरंगा हमारी आन बान और शान है। यह हमें वीर शहीदों की याद दिलाता है। इसके बाद विद्यालय प्रांगण में सभी गाइड

बालिकाओं ने एक दूसरे के राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। कार्यक्रम में समस्त विद्यालय स्टाफ गाइड बालिकाएं एवं कब बालक उपस्थित रहे।

❖ सीकर के पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बाय में 11 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में राज्य सरकार की हरियालो राजस्थान योजना के अंतर्गत श्री राम वाजपेई जयंती के उपलक्ष में विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कब मास्टर श्री भंवरलाल रोहिल, विद्यालय के छोटे–छोटे कब्स व स्काउटस, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री पी.डी. यादव, श्री दीपेंद्र जी गुप्ता एसडीएमसी सदस्य एवं सेवानिवृत्ति लेखा

अधिकारी श्री केशरमल गोठवाल, सहायक सचिव श्री फूल मोहम्मद तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ व अन्य नागरिकों व विद्यार्थियों द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया।

जोधपुर मण्डल

❖ सिरोही के स्थानीय संघ रेवदर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कब स्काउट गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स का शुभारंभ श्री क्षेत्रपाल खेतलाजी मंदिर मलावा रेवदर में विधायक रेवदर श्री मोतीराम कोली के मुख्यातिथ्य में आयोजित हुआ। इस बेसिक कोर्स का सर्वधर्म प्रार्थना और समारोह पूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि घनश्याम सिंह मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रेवदर एवं अध्यक्षता त्रिभुवन सिंह संस्था प्रधान राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मलावा थे। सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने बताया कि इस बेसिक कोर्स में रेवदर ब्लॉक के 50 अध्यापक अध्यापिकाओं ने बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कब विभाग का जीवाराम, स्काउट विभाग का छगनलाल एवं गाइड विभाग का संचालन शीला पोखरना ने किया। इस बेसिक कोर्स में सम्मिलित होने वाले सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को बैग बाबुभाई चौधरी मलावा ने और स्टाफ को माताजी की सिल्वर की तस्वीर प्रकाश रावल पूर्व सरपंच जीरावल की ओर से एवं मोमेंटो श्री नीलेश बाई अग्रवाल मंडार की ओर से भेंट किए गए। इस बेसिक कोर्स में बाबूलाल सैनी

सचिव स्थानीय संघ रेवदर, छगन लाल, जीवाराम, शीला पोखरना, रेवा राम, धीर सिंह, रामेश्वरलाल, एस एम बोरिंसा, श्रीमती सीमा कुमारी, यशवंती वर्मा ने प्रशिक्षण दिया और बेसिक कोर्स के दौरान रोवर रेंजर ने सराहनीय सेवाएँ दी। श्री वर्मा ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन बेसिक कोर्स में उपस्थित अध्यापक अध्यापिकाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई और विद्यालय में जाकर नशा मुक्ति अभियान के माध्यम से नशा नहीं करने के लिए समय समय पर रैलियां निकालकर जन समुदाय को जागृत करने का आह्वान किया।

❖ पाली में श्री राम वाजपेई जयंती के अवसर पर सघन पौधारोपण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष भारत स्काउट गाइड पाली व पूर्व सभापति नगर परिषद पाली श्री महेंद्र बोहरा, जिला कलक्टर श्री एल.एन. मंत्री, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पाली श्री दिलीप सिंह कर्मचंदानी, सहायक निदेशक श्री सोहन भाटी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, श्री बसंत परिहार जिला कमिश्नर रोवर, श्री आर.सी. वैष्णव सेवानिवृत्ति रीजनल मैनेजर रीको एवं उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाइड, श्री ओमप्रकाश परिहार समाजसेवी एवं अन्य

गणमान्य जन की उपस्थिति रही। जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में सभी अतिथियों, स्काउट गाइड व आमजन ने पौधारोपण कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, बारां की ओर से श्री राम बाजपेई की जयंती के अवसर पर जिले भर के स्काउट गाइड से पौधारोपण करा कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि राज्यव्यापी अभियान के तहत जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम मृदुल भवन पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उप प्रधान ललित वैष्णव एवं अध्यक्ष जिला आयुक्त वयस्क संसाधन अमजद युसूफी रहे। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने स्काउट गाइड द्वारा चलाए जा रहे पौधारोपण अभियान की प्रशंसा करते हुए प्रत्येक स्काउट से 10 पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने की बात कही। समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री युसूफी ने ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव एवं प्राकृतिक संतुलन में पौधारोपण के महत्व को लेकर भी स्काउट गाइड से चर्चा की। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने भी कार्यक्रम में वर्चुअली

जुड़कर स्काउट गाइड को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संबोधित किया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि इस अवसर पर पौधा वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिले भर में स्थानीय संघ मुख्यालय सहित कई जगहों पर स्काउट गाइड ने पौधारोपण किया। स्थानीय संघ अटरू में सचिव राजेंद्र शर्मा एवं जिला उप प्रधान सत्य प्रकाश पारेता, स्थानीय संघ अंता में सचिव पवन मेहरा व संयुक्त सचिव सुरभि खंडेलवाल, छबड़ा में सचिव घनश्याम भार्गव व सह सचिव हेमराज बेरवा, छीपाबड़ौद में सचिव इंद्र कुमार शर्मा, किशनगंज में विक्रम सिंह व ब्रजगोविंद ट्रेलर, शाहाबाद में सहायक सचिव तपेन्द्र सिंह नाथावत व कपिल देव कृष्णिया, मांगरोल में सचिव भरतरी मीणा व सहायक सचिव बुद्धि प्रकाश के नेतृत्व में इको क्लब के स्काउट गाइड ने उन्हें आवंटित लक्ष्यों के अनुरूप पौधारोपण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी व रोवर लीडर महेश सेन, सीनियर रोवर लक्ष्य गोयल, मोहित मीणा सहित स्काउट गाइड प्रभारी मौजूद रहे।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, उदयपुर की सत्रारंभ कार्यकारिणी समिति की बैठक सूरजपोल स्थित स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय उदयपुर पर संपन्न हुई। उदयपुर के सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी अतिथियों का मेवाड़ी परंपरानुसार इकलाई पहनाकर अभिनन्दन किया गया। स्वागत उद्‌बोधन जिला सचिव हीरालाल व्यास ने दिया। गत वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन तथा चालू वर्ष की प्रस्तावित वार्षिक योजना का पठन कर सदन के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया। सहायक राज्य संगठन

आयुक्त स्काउट मनमोहन स्वर्णकार ने गत वर्ष के बजट तथा चालू वर्ष का प्रस्तावित बजट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रतिभा गुप्ता ने जिले की स्काउटिंग गाइडिंग प्रवृति को हर सभव सहयोग प्रदान करने तथा जिले के सभी राजकीय और निजी शिक्षण संस्थाओं में इसका अनिवार्यतः संचालन के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किये। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने गाइड विभाग का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गाइडिग प्रवृति पर बल देने के लिए कहा। श्री सुरेश चन्द्र खटीक पूर्व मण्डल सचिव ने स्थानीय संघ एवं ग्रुप विजिट पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कार्यकारिणी समिति की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा, विचार विमर्श, प्रस्ताव एवं अनुमोदन किये गये। इस अवसर पर हीरालाल व्यास, पवन कुमार रावल, मनमोहन स्वर्णकार, सुरेश चन्द्र खटीक, हेमन्त कुमार जैन, करण कलासुआ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंत में अभिलाषा मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा राष्ट्रगान के साथ विसर्जन हुआ।

❖ भारत स्काउट व गाइड, उदयपुर के तत्वावधान में पण्डित श्रीराम वाजपेयी जी की जयंती के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार के हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम थीम पर स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, उदयनिवास पर डा. लोकेश भारती जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय उदयपुर के मुख्य आतिथ्य में सहा.राज्य संगठन आयुक्त श्री मनमोहन

स्वर्णकार के निर्देशन में जिला स्तरीय सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आगाज हुआ। सभी अतिथियों व स्काउट गाइड ने सघन पौधारोपण कर अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बांसवाड़ा के तत्वावधान में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम का शुभारम्भ 08 अगस्त को डॉ इन्द्रजीत यादव जिला कलक्टर, डॉ अभिषेक गोयल अति.जिला कलक्टर, श्री विनोद राठौड एडीपीसी समसा, श्री सुशील कुमार जैन सीबीईओ बांसवाड़ा, श्री भरत पण्ड्या सहायक निदेशक समसा, श्री गौतमलाल कटारा एडीईओ माशि, श्री राजीव जुआ, प्रधानाचार्य, राउमावि नूतन, श्रीमती मुकुल शुक्ल, प्रधानाचार्या, महात्मा गांधी रा.वि. सरेडी बडी द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का स्काउट रीति के अनुसार स्कार्फ और विद्यालय की ओर से प्रधानाचार्य, सचिव

शबनम शेख, मणीलाल जी द्वारा उपरणा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों ने पौधारोपण कर जिले मे स्काउटिंग के अभियान का शुभारम्भ किया। 11 अगस्त को बांसवाड़ा जिले के समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, प्रभारी सहा. जिला कमिश्नर्स, स्थानीय संघ के सचिवों के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। सी.ओ. स्काउट दीपेश शर्मा ने बताया कि 12 व 13 अगस्त को भारत स्काउट एवं गाइड से पंजीकृत विद्यालयों के माध्यम से जिले में आनन्दपुरी से 5570, बागीदौरा से 4192, गांगडतलाई से 2250, बांसवाड़ा से 5633, छोटीसरवन से 3379, तलवाड़ा से 2253, गढी से 5195, अरथूना से 3445, घाटोल से 5882, कुशलगढ से 5942, सज्जनगढ से 4070 कुल 47811 पौधे लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, कुम्भलगढ़ से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली (राजसमंद) के स्काउट्स ने स्काउटर व शारीरिक शिक्षक राकेश टांक सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) के नेतृत्व में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित तीन दिवसीय श्री परशुराम महादेव मेले में 28 से 30 जुलाई 2025 तक फुटा देवल (उदावड़) कुम्भलगढ़ में सेवा कार्य किया। उपखंड अधिकारी व मेला मजिस्ट्रेट साक्षी पुरी व प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर नूतन प्रकाश जोशी के निर्देशन में तथा सी.ओ. स्काउट राजसमंद सुनिल कुमार सोनी के मार्गदर्शन में स्थानीय संघ कुम्भलगढ़ से कुंचौली विद्यालय के 222 स्काउट्स ने तीन दिवसीय मेले में 540 घण्टों का सेवा कार्य किया। श्री परशुराम महादेव सेवा मण्डल ट्रस्ट फुटा देवल (उदावड़) के अध्यक्ष भूतपुर्व विधायक श्री गणेश सिंह

परमार, मेला व्यवस्थापक वरदी सिंह खरवड़, योगेन्द्र सिंह परमार तथा ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने स्काउट्स द्वारा की गई निःस्वार्थ सेवा की अन्तःमन से सराहना करते हुए सभी स्काउट्स को सेवा का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। तीन दिवसीय मेले में सभी स्काउट्स एवं स्काउटर राकेश टांक को आर पी पृथ्वी सिंह झाला, हेरिटेज सोसाइटी के सचिव कुबेर सिंह सोलंकी, सीबीईईओ कार्यालय से विक्रम सिंह, रोशन लाल टांक, जिला परिषद सदस्य व स्काउटर दल्ला राम भील, मुरलीधर नागोरी, नाना लाल भील, दिलीप मेघवाल, जसराज, खेमराज, शेर सिंह, विक्रम सिंह का सहयोग मिला। विद्यालय के कार्यवाहक संस्था प्रधान विशाल कुमार कुलवाह व उमेश कुमार सर्वा का सहयोग स्काउट्स को मिला तथा उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लॉक कुम्भलगढ़ से केवल कुंचौली के स्काउट्स वहां सेवा में थे यह हमारे विद्यालय के लिए गौरव की बात है।

CELEBRATIONS DAYS : SEPTEMBER-OCTOBER 2025

05 September	:	Teacher's Day
08 September	:	International Literacy Day
14 September	:	Hindi Day
16 September	:	World Ozone Day
21 September	:	World Peace Day
27 September	:	World Tourism Day
02 October	:	Gandhi & Shashtri Jayanti
05 October	:	International Teachers Day
08 October	:	Air Force Day
10 October	:	World Mental Health Day
15 October	:	World Unity Day
24 October	:	World Polio Day
31 October	:	National Unity Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारा स्वास्थ्य

अनिद्रा

प्रस्तोता– डॉ. कला कासलीवाल

अनिद्रा को समझने के लिये 'निद्रा क्या है?' यह जानना आवश्यक है।

निद्रा– आयुर्वेद के अनुसार आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य स्वास्थ्य के तीन आधार या स्तम्भ बताये गये हैं। निद्रा हमारी शारीरिक आवश्यकता है, यह प्रकृति का प्राकृतिक धर्म है, जो शरीर के भीतर से ही प्राप्त होता है। सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए आहार से भी अधिक महत्वपूर्ण है। निद्रा के अभाव से मनुष्य के प्रतिदिन के सभी कार्य अस्त व्यस्त हो जाते हैं। जीवन की सारी खुशियां भी समाप्त हो जाती है।

आचार्य पतन्जलि के अनुसार – निद्रा अभाव को प्रतीति कराने वाली वृत्ति है। यह जाग्रत या अर्द्ध जाग्रत अवस्था ही है। कर्मयोगी के लिए यह सहज प्राप्त निद्रा समाधि ही है। कहा है अभाव प्रत्यापालम्बना वृत्तिर्निद्रा (10) आयुर्वेद में निद्रा को सात प्रकार की कहा है जैसे–

स्वाभाविकी ताम सी वैकारिकी आदि निद्रा 'श्लेष्म तमोभवा निद्रा'

जब शरीर में श्लेष्मा की वृद्धि होती है तब ही अंधकार तम की उत्पत्ति होती है और वही निद्रा कहलाती है।

अनिद्रा क्या है ?–

नियमित समय से नींद का नहीं आना, सपने आना, गहरी नींद नहीं आना, बीच–बीच में नींद का टूट जाना, जरा सी आवाज होने से नींद का टूट जाना, नींद में खर्राटे आकर चमक कर उठ जाना आदि ये सब उपनिद्रा ही है। अनिद्रा का अर्थ है सोयी हुई अवस्था में शांति नहीं मिलना और उठने के बाद सिर में भारीपन होना।

लक्षण – नींद के स्वस्थ नहीं होने पर सिर में भारीपन, हाथ पैरों में जकड़न। सिर दर्द किसी भी कार्य में चित्त नहीं लगना, चिड़चिड़ापन होना, भूख में कमी होना, मानसिक असंतुलन होना, कब्ज, आंखों की रोशनी कम होना, अवसाद, डिप्रेशन, माहवारी का अनियमित होना, इतना ही नहीं इससे कई घातक बीमारियों का भी जन्म हो जाता है जैसे हृदयघात, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अर्श आदि।

आज के आधुनिक युग में प्रतिस्पर्धा की भावना बहुत अधिक बढ़ती जा रही है। इसी भावना से आज नवयुवकों में यह रोग बढ़ता जा रहा है। जिससे मानसिक विकारों में डिप्रेशन आदि रोग होते हैं।

शारीरिक विकारो में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कमर दर्द, अम्लपित्त, विबंध (कब्ज) बाल झड़ना, थायराइड, पीसीओडी (डिम्बग्रंथि जन्य विधि रोग) आदि ये ही नहीं न जाने कैंसर जैसी अन्य कितनी ही बीमारियाँ हैं, जिनका हम निदान ही नहीं कर पाते क्योंकि वे सब आधुनिक चिकित्सा द्वारा टेस्टों में नहीं आ पाते, क्योंकि इसमें जो हमारे शरीर के तीन दोष हैं वे विकृत हो जाते हैं या विकार रूप ले लेते हैं। वे दोष वात, पित्त और काम है। जब कफ प्रधान होता है तो निद्रा अच्छी आती है और जब उसमें वात प्रधान वात की वृद्धि होती है तो वह रोग या अनिद्रा का कारण हो जाता है।

निद्रा की आवश्यकता क्यों –

1. शरीर में कोशों के पुनर्निमाण के लिए
2. शरीर के विकारों को बाहर निकालने के लिए
3. शरीर की थकावट दूर कर फिर से तरोताजा करने के लिए।
4. निद्रा लेने से हम खोयी शक्ति को संचित कर पुनः शक्ति अर्जित करते हैं।
5. नाड़ी संस्थान, रक्तवाह संस्थान एवं मांसपेशियों को विश्राम प्रदान के लिए।
6. कुछ क्षणों के लिए हमें इस संसार जगत के कार्यों से मुक्ति दिलाकर शांति प्रदान करती है।
7. सांसारिक एवं शारीरिक दुःखों से कुछ क्षण के लिए मुक्ति दिलाती है।
8. रोगों के निवारण के लिए यह सर्वश्रेष्ठ औषधि है।
9. जिस प्रकार दिन और रात इस सृष्टि के क्रम को बनाये रखने के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए निद्रा और जागरण आवश्यक हैं।
10. निद्रा नहीं आने से मनुष्य पागल हो जाता है।
11. इसलिए स्वस्थ मनुष्य को अपनी अवस्था आयु के अनुसार नींद लेना आवश्यक है।

निद्रा की आवश्यकता

बाल्यावस्था में 12 से 16 घंटे तक

युवावस्था में 8 से 12 घंटे तक

प्रौढ़ावस्था में 6 से 8 घंटे तक

वृद्धावस्था में 5 से 7 घंटे निद्रा उपयुक्त होती है। यदि रोगी है तो निद्रा अधिक हो सकती है। ग्रीष्म ऋतु में 1–2 घंटे की निद्रा दोपहर में लेनी चाहिए। सर्दी में दिन में नहीं सोना चाहिए। सर्दी में दिन में सोने से व्यक्ति बीमार हो जाता है। हमारी निद्रा में दूसरा कारण आहार भी है। संयोग विरूद्ध करने से, नियत समय पर आहार नहीं करने से, हमारी पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। जिससे हमारे शरीर के दोष दूषित होकर धातुओं, रस रक्तादि को भी दूषित कर देते हैं। जिससे रक्तवह, नाडीवह, पाचन संस्थान विकृत होकर हमारे मस्तिष्क को भी विकृत कर देते हैं। जिससे सिर में हमेशा गर्मी सी बनी रहती है। जो अनिद्रा को उत्पन्न करती है। अधिक मिठाई, नमकीन, खटाई, घी–तेल का सेवन, पीजा, बर्गर, छोला कुलचे, आलू की चिप्स, कुरकुरे, चाय, कॉफी, ठंडे पेय पदार्थ, तम्बाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, शराब, नींद की गोलियां, अधिक औषधियों का सेवन आदि सभी हमारी नींद को समाप्त कर अनिद्रा को जन्म देते हैं या यों कह सकते हैं कि अनिद्रा उत्पन्न करती हैं।

आजकल हम रोज के कार्यों में देखते हैं कि नौकरी करने वाले बच्चे या बड़े बहुत अच्छी–अच्छी धनराशि के पेकेजेज़ मिलने के कारण अपने स्वास्थ्य को नहीं देखते और नौकरियां करते हैं, जिसमें न रात का पता होता और न ही दिन

का। क्योंकि जब हमारे यहाँ दिन होता है तो विदेशों में रात होती है। तो हमें उनके साथ चलने के लिए हमारे यहां भी फिर सभी कार्य रात में होते हैं। जहाँ आज के पढ़े लिखे नवयुवक सबसे ज्यादा कार्य कर रहे हैं और अनिद्रा रोग से पीड़ित भी सबसे अधिक वे ही लोग हैं। इनके अतिरिक्त अत्यधिक शोर, व्रत, उपवास, त्याग, तपस्या, रात्रि जागरण, अति श्रम आदि अनिद्रा के कारण हैं।

सही वातावरण

1. सोने के लिए हमारा कक्ष साफ–सुथरा, खुला, मच्छरों से रहित, शांति पूर्ण होना चाहिए।
2. सोने से पूर्व हमारा मन निष्क्रिय चिंता रहित, क्रोध रहित होना चाहिए।
3. सोने का समय निश्चित होना चाहिए।
4. भोजन हमें सोने से तीन घंटे पूर्व करना चाहिए।
5. सोते समय हमारे वस्त्र ढीले एवं साफ सुथरे होने चाहिए।
6. हमारे बिस्तर स्वच्छ एवं सुकून देने वाले होने चाहिए, वे बहुत मोटे, बहुत कठोर, या बहुत मुलायम नहीं होने चाहिए।
7. सोते समय हमें स्नान नहीं करना चाहिए। बल्कि रात में ऋतु के अनुसार पानी में तौलिया गीला कर हाथ–पैरों एवं बदन को पौंछकर सोना चाहिए।
8. सोते समय स्त्रियाँ सिर में जूही, चमेली, मोगरा आदि की वेणी लगाकर सोएं तो उन्हें नींद बहुत अच्छी आती है।
9. सोते समय कमरे में भीनी–भीनी खुशबू होनी चाहिए। दुर्गन्ध नहीं।
10. कभी–कभी हल्का मधुर संगीत सोने और उठने के साथ बजाना चाहिए जिससे पूरे दिन हमारा मन स्वस्थ व प्रसन्न रहे।
11. प्रातः उठकर हमें आवश्यकतानुसार हल्का व्यायाम करना चाहिए।
12. प्रातः भ्रमण को भी जाना चाहिए।
13. प्रातः नाश्ते में 21 किशमिश रात को गर्म पानी में भिगोकर सुबह खानी चाहिए।
14. रात में बादाम व खसखस के दानों का हलुआ बनाकर खाना चाहिए।
15. रात में सेब खाकर दूध पीना चाहिए, भोजन पश्चात् मिश्री, बादाम, नारियल को बराबर लेकर मिश्रण चूर्ण बनाकर रख लें यह एक–एक चम्मच दोनों समय खाकर पानी या दूध पी लें।

इतने सब प्रयोग हमारी अनिद्रा के लिये उपयुक्त हैं। ये हमारी दिनचर्या के साधारण से अंग हैं, यदि हम इनको हमारे जीवन में धारण कर लें तो हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं और अंत में रात्रि में सोते समय दिन भर की चर्या के बारे में स्मरण कर प्रभु का स्मरण कर सोएंगे तो अवश्य ही सुखद निद्रा का अनुभव होगा।

(आरोग्य भारती, जयपुर)

पृष्ठ सं. 13 का शेष

शरतचन्द्र

की तरफ भी हुआ। वह महात्मा गाँधी से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन का विरोध करने वाले तमाम आलेख पत्र–पत्रिकाओं में लिखे। शरतचन्द्र का पाथेरदाबी : पथ के दावेदार : अंग्रेजी शासकों को बेहद नागवार गुजरा और इसे देशद्रोह को हवा देने वाला बताकर प्रतिबंधित कर दिया गया।

व्यक्तिगत जीवन में शरतचन्द्र को जैसे–जैसे सफलता मिलने लगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरने लगी, उसी क्रम में उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ने लगा। इस महान रचनाकार का निधन 16 जनवरी 1938 को हुआ। शरतचन्द्र की प्रसिद्ध रचनाओं में बड़ी दीदी, परिणीता, बिराज बहू, देवदास, चरित्रहीन, श्रीकांत, दत्ता, शेष प्रश्न आदि शामिल हैं। शरतचंद्र ने अनेक उपन्यास लिखे, बंगाल के क्रांतिकारी आंदोलन को लेकर 'पथेर दावी' उपन्यास लिखा गया। पहले यह 'बंग वाणी' में धारावाहिक रूप से निकाला, फिर पुस्तकाकार छपा तो तीन हजार का संस्करण तीन महीने में ही समाप्त हो गया।

स्वतंत्रता दिवस पर रक्तदान

78वें स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर जिला प्रशासन भरतपुर के तत्वावधान में सभी सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर 14 अगस्त 2025 को प्रेम गार्डन, एसपीएम नगर, भरतपुर में आयोजित किया गया। इसमें राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय भरतपुर से सी.ओ गाइड श्रीमती कल्पना शर्मा एवं सी.ओ स्काउट देवेंद्र कुमार मीना के नेतृत्व 09 रोवर स्काउट्स तरूण धाकड़, रजत सिंह, जय शिव, संजय, हरेन्द्र, दिनेश, दुर्गेश, रविकांत, वेदप्रकाश, रोहित कुमार एवं सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट श्री बलराज सिंह ने रक्तदान शिविर में सम्मिलित होकर जरूरतमंद लोगों की मदद करने के उद्देश्य से रक्तदान किया।

रक्तदाताओं का समूह चित्र

गतिविधि पञ्चांग

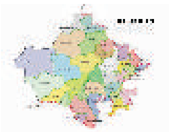

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्था.संघ पर	05.09..2025
प्रेसिडेन्ट/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	02 से 06.09.2025
उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	07 से 14.09.2025
स्काउटर/गाइडर बेसिक एवं एडवांस कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	09 से 15.09.2025
19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी हेतु मीटिंग	राज्य/मण्डल स्तर पर	15.09.2025 तक
राज्य स्तरीय स्काउट गाइड रोवर रेंजर जनजाति महोत्सव	उदयपुर/बांसवाड़ा	15 से 19.09.2025
स्पेशल कोर्स– पायनियरिंग एण्ड फर्स्ट एड कोर्स (कॉमन)	जगतपुरा, जयपुर	16 से 20.09.2025
विश्व ओजोन दिवस–वार्ताएं, भा.स्का.गा.डायमण्ड जुबली वर्ष पर राज्य स्तरीय साइकिल रैली	सम्भाग स्तर/राज्य स्तर	16 से 18.09.2025
गाइडर अध्ययन शिविर	मण्डल स्तर पर	18 से 20.09.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत	21 से 25.09.2025
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.09.2025 तक
राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.09.2025 तक
पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.09.2025 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Environment Awareness cum Trekking Programme	05 - 19 September 2025	Shimla, Himachal Pradesh
National Integration Camp - 2025	09 - 13 September 2025	Agartala, Tripura
National Level Environment Awareness cum Trekking Programme	06 - 10 October 2025	Alwar, Rajasthan
Jamboree On The Air (JOTA) And Jamboree On The Internet (JOTI)	18 - 19 October, 2025	
Grand Finale Diamond Jubilee Jamboree And 19th National Jamboree	23 - 29 November 2025	Lucknow, UttarPradesh

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Arts 4 Healing	19 - 25 September, 2025	Sangam, Pune, Maharashtra
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भरतपुर में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर, संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. टीना सोनी, जिला कलक्टर भरतपुर श्री कमर उल जमान चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक श्री दिगन्त आनन्द जिला स्तर पर सी.ओ. स्काउट भरतपुर देवेन्द्र कुमार मीना को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानितकरते हुए

कुम्भलगढ़ उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि विधायक कुम्भलगढ़ श्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं उपखंड अधिकारी कुम्भलगढ सुश्री साक्षी पुरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली के शारीरिक शिक्षक एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) राकेश टांक को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए

श्री जितेन्द्र यादव, स्काउटर, जिला मुख्यालय बांसवाड़ा

श्री रमण लाल पंचासरा, सचिव स्काउट, रा.उ.मा.वि., सज्जनगढ़

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में प्रेड में द्वितीय और स्काउट बैंड प्रदर्शन में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर राजकीय नूतन उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसवाड़ा के स्काउट व रोवर टीम व टीम लीडर शबनम शेख को सम्मानित करते हुए जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया, जिला अध्यक्ष भाजपा श्री पूंजीलाल गायरी एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी

अजमेर जिले के भारत स्काउट व गाइड पदाधिकारी विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी जी से शिष्टाचार भेंट कर जिला परिषद में मुख्य अतिथि पद सुशोभित करने हेतु आमंत्रित करते हुए।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह

प्रकाशन - प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015

फोन : 0141-2706830, 2941098

ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com